प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आठ से नौ जुलाई तक रूस के दौरे पर हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें आमंत्रित किया है। यहां वह 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय मुद्दों पर बात होगी।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 66 दिनांक:09-07-2024 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकवादियों और सेना के जवानों के बीच सोमवार को भीषण मुठभेड़ हुई। इस घटना में सेना के 4 जवान शहीद हो गए और 6 अन्य घायल हो गए।

मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट-2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में 2 घंटे 20 मिनट हुई सुनवाई

नीट पेपर लीक अगर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से हुआ तो ये जंगल में आग...कोर्ट ने माना ये साफ है कि लीक हुआ है नीट यूजी का पेपर

-एनटीए पेपर लीक वाले सेंटर्स की जानकारी दे, जिन स्टूडेंट्स को फायदा हुआ, उनके बारे में भी 10 जुलाई तक बताए; 11 को अगली सुनवाई

नई दिल्ली(ईएमएस)। मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट-2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को लगभग 2 घंटे 20 मिनट तक सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एनटीए, सीबीआई, केन्द्र सरकार और याचिकाकर्ताओं को अलग-अलग निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई अब 11 जुलाई को होनी है। सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि ये साफ है कि पेपर लीक हुआ है।

सवाल ये है कि इसका दायरा कितना बड़ा है। ये समझना जरूरी है कि पेपर लीक कितना व्यापक है? सिर्फ दो लोगों की गड़बड़ी की वजह से पूरा एग्जाम कैंसिल नहीं किया जा सकता। हम ये जानना चाहते हैं कि एनटीए और सरकार ने अब तक पेपर लीक के आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से पेपर लीक हुआ है तो ये जंगल में आग की तरह फैलता है।

सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि सरकार से पूछकर बताएं कि क्या हम साइबर फोरेंसिक विभाग के डेटा एनालिटिक्स यूनिट के जरिए पता नहीं लगा सकते है कि क्या पूरी परीक्षा प्रभावित हुई है? क्या गलत काम करने वालों की पहचान करना संभव है? इस तरह हम उन छात्रों के बारे में जानकारी जुटा सकते हैं, जिन्होंने गड़बड़ी का फायदा उठाया है। अदालत 38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रही थी। इनमें से 34 याचिकाएं स्टूडेंट्स, टीचर्स और कोचिंग इंस्टीटयूट्स ने, जबकि 4 याचिकाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने लगाई थी।

परीक्षा दोबारा कराना आखिरी विकल्प

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि लीक होने के कारण कितने छात्रों के परिणाम रोके गए। कोर्ट ने पूछा कि ये छात्र कहां हैं? भौगोलिक तौर पर ये छात्र कहां कहां हैं? क्या हम अभी भी गलत काम करने वालों का पता लगा रहे हैं और क्या हम लाभार्थियों की पहचान कर भी पाएं हैं? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि परीक्षा को दोबारा से कराना सबसे आखिरी विकल्प होना चाहिए। मामले में जो कुछ भी हुआ, उसकी जांच देश भर के विशेषज्ञों की एक बहु-अनुशासनात्मक समिति से कराई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पढ़ाई-लिखाई की सबसे प्रतिष्ठित शाखा से निपट रहे हैं। हर मध्यम वर्ग का व्यक्ति चाहता है कि उनके बच्चे या तो चिकित्सा या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करें। यह मानते हुए कि हम परीक्षा रद्द नहीं करने जा रहे हैं। हम ऐसे लोगों की पहचान कैसे करेंगे, जिन्हें इस धांधली का फायदा हुआ है। क्या हम काउंसलिंग होने देंगे और अब तक क्या हुआ है?

कोर्ट ने दिए कई अहम निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने साइबर फोरेंसिक यूनिट को शामिल करने, एआई का उपयोग करके गलत काम करने वालों की संख्या का पता लगाने और उनके लिए फिर से परीक्षा की संभावना तलाशने के बारे में पूछा। कोर्ट ने सीबीआई को जांच की स्थिति बताते हुए रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह बताए कि प्रश्नपत्र पहली बार कब लीक हुआ। वह प्रश्नपत्र लीक होने की घटना और 5 मई को परीक्षा आयोजित होने के बीच की समय अवधि के बारे में भी बताए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख तय की।

5 मई को हुई थी नीट, 24 लाख छात्र बैठे थे

इस साल 5 मई को नीट परीक्षा हुई थी। 571 शहरों के 4,750 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। लेकिन यह परीक्षा एग्जाम के पहले ही विवादों में आ गई थी। पेपर लीक और 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क देने के बाद कई छात्रों ने धांधली और गड़बड़ी का आरोप लगाया था। इसे लेकर कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने संसद में यह मुद्दा उठाया। सरकार ने सफाई दी। इस बीच राज्यों के हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा छात्रों ने खटखटाया। अगर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से पेपर लीक हुआ है तो ये जंगल में आग की तरह फैलता है।

मोदी-पुतिन की यारी से ....जल भुन गया चीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे पर चीन बौखला गया है। चीनी सरकार ने भारत पर निशाना साधा है। जबकि पश्चिमी मीडिया हैरान करने वाला कदम बता रहा है। चीनी ने भारत पर एक तरह से निशाना साधा है।

वहीं अमेरिका भी हैरान-परेशान दिख रहा है। चीन ने कहा कि भारत अमेरिका के हाथों की कठपुतली है। बेहतर होगा कि भारत स्वतंत्र विदेश नीति अपनाए। कुल मिलाकर कहा भारत और रूस की मित्रता चीन को खलने लगी है।

दरअसल चीन के जितने भी मित्र राष्ट्र हैं सबके साथ उसका सीमा विवाद है। भारत उसमें शामिल है। रूस भारत के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है, चीन को इसलिए भी दिक्कत है क्योंकि वर्तमान में भारत रूस के साथ खड़ा दिखता है। इस समय उसके अमेरिका और पश्चिम के साथ भी संबंध अच्छे हैं। चीन को मिर्ची इस बात की लग रही है। कि अगर चीन ताइवान की स्थिति बनी, तब भारत अमेरिका का साथ देगा। हालांकि भारत अपनी स्वतंत्र नीति के लिए जाना जाता है। चीन को लगाने लगा है कि भारत एक सुपरपावर बन रहा है। अमेरिका इस बात को हवा भी दे रहा है।

रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने दावा किया कि पश्चिमी देश इस यात्रा को ''ईर्ष्या'' से देख रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने मॉस्को पहुंचे है।

भारी बारिश के कारण मुंबई सहित कई जगहों पर स्कूल-कॉलेज बंद, घर से बाहर ना निकलने की हिदायत

मुंबई : महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण मंगलवार को मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। मुंबई, ठाणे, पुणे, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सहित कई जगहों पर बारिश की वजह से मंगलवार को स्कूल कॉलेजों में छुट्टी की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के साथ-साथ जूनियर और सीनियर कॉलेजों पर भी लागू होता है। उन्होंने कहा कि बृहन्मुंबई नगर निगम, टीएमसी और पनवेल और नवी मुंबई जैसे नागरिक निकायों ने बंद के संबंध में अधिसूचनाएं जारी की गई हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि ठाणे जिला परिषद ने भी मंगलवार को छुट्टी की घोषणा की है। इसके अलावा, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में स्कूल और कॉलेज बहुत भारी बारिश के लिए जारी 'रेड अलर्ट' के कारण मंगलवार को बंद रहेंगे। बीएमसी ने अपने बयान में कहा गया है कि बीएमसी आयुक्त और प्रशासक भूषण गगरानी ने नागरिकों को सतर्क रहने की अपील की है। साथ ही जब तक जरूरी ना हो, लोगों को घर से बाहर ना निकलने की हिदायत दी है।

बीएमसी ने अपनी सभी आपदा प्रबंधन टीमों को हाई अलर्ट पर रखा है। नागरिकों से अपील की गई है कि वो घबराएं नहीं और किसी भी सहायता के लिए बीएमसी के आपदा प्रबंधन सेल से 1916 पर संपर्क कर सकते हैं। मुंबई और इसके आसपास के महानगरीय क्षेत्र में भारी बारिश के कारण पटरियों पर पानी भरने से मध्य रेलवे की हार्बर लाइन सेवाएं सोमवार रात को निलंबित कर दी गईं। सीआर के एक प्रवक्ता ने कहा कि वडाला स्टेशन पर जलभराव के कारण, वडाला और सीएसएमटी के बीच सेवाएं निलंबित कर दी गई, जबकि मार्ग पर मानखुर्द और पनवेल के बीच ट्रेनें चालू हैं।

पुणे जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के बीच, स्थानीय प्रशासन ने सोमवार को सभी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों (कक्षा 12 तक) के छात्रों के लिए मंगलवार को छुट्टी की घोषणा की है। पश्चिमी महाराष्ट्र में जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के बीच पुणे कलेक्टर सुहास दिवासे द्वारा दिशानिर्देश जारी करने के बाद प्रशासन ने इस संबंध में एक बयान जारी किया है।

बिहार में आसमानी बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत

बिहार के सात जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, एक जुलाई से अब तक आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मरने वाले लोगों की संख्या 42 हो गई है। इनमें से 10 लोगों की मौत रविवार को और नौ लोगों की मृत्यु शनिवार को हुई।

सीएमओ के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से जमुई और कैमूर में तीन-तीन, रोहतास में दो, सारण, सहरसा, भोजपुर और गोपालगंज में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

हाथरस सत्संग मामला: दो सेवादार और गिरफ्तार, ऑडियो क्लिप भी वायरल

लखनऊ,(ईएमएस)। यूपी पुलिस ने सोमवार को हाथरस भगदड़ मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया जिनकी पहचान दुर्गेश कुमार सक्सेना और दलबीर सिंह के रूप में हुई है, जो भोले बाबा के सेवादार थे। इस सत्संग के आयोजन में अन्य सेवादारों की तरह इन दोनों की बेहद सक्रिय भूमिका थी और इसके प्रबंधन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर थी। दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। अब तक मुख्य स्वयंसेवक देवप्रकाश मधुकर समेत 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इस बीच एक ऑडियो सामने आया है जिसमें बाबा भोले का स्वयंसेवक अपने दोस्त से बातचीत मे कह रहा है कि आज इतने लोग मर गये, तो स्वयंसेवक उत्तर देता है कि कोई समस्या नहीं है यह घटना तो होनी ही थी। स्वयंसेवक ने इसमें कहा कि बाबा ने कहा था कि जो लोग उनकी पूजा नहीं करेंगे उन्हें परिणाम भुगतना होगा। आपदा आ गई और लोग खुद-ब-खुद गिरने लगे। बाबा ने कहा था कि तुम चले जाओगे तो बच जाओगे। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

स्वयंसेवक कहता है कि सब कुछ बाबा की इच्छा से हुआ। यदि तुम बाबा से डरोगे और उनकी पूजा करोगे तो बच जाओगे अन्यथा मर जाओगे। बाबा लोगों को जीवित भी कर सकते हैं...चिंता की कोई बात नहीं है। करीब 4.39 मिनट का यह ऑडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वॉलंटियर का दोस्त कहता है कि 300 लोगों की मौत हो गई है. जवाब में स्वयंसेवक का कहना है कि बाबा ने कहा था कि जिन्हें मारना होगा उन्हें उनके घर पर भी मार दिया जाएगा और जिन्हें बचाना होगा उन्हें भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है; हमने राजस्थान में और शव देखे हैं। सब कुछ बाबा की इच्छा के मुताबिक है।

हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह वॉलंटियर कौन है और यह ऑडियो किसका है। पुलिस इस वायरल ऑडियो की जांच कर रही है। यूपी सरकार ने सिकंदराराऊ में सत्संग के दौरान भगदड़ में मरने वाले 121 लोगों में से अधिकांश की पहचान कर ली है।

असम-मणिपुर का दौरा कर राहुल गांधी बोले - मुझे नहीं लगता मणिपुर के हालात सुधरेंगे

इंफाल/गुवाहाटी (ईएमएस) । कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को असम-मणिपुर का दौरा किया। उन्होंने असम के बाढ़ पीडितों और मणिपुर हिंसा के पीडितों से मुलाकात की। राहुल ने मणिपुर के हालात पर राज्य की गवर्नर अनुसुइया उइके से भी मुलाकात कर अपना पत्र सौंपा।

राहुल की आधे घंटे ज्यादा समय तक गवर्नर से चर्चा हुई। इसके बाद राहुल पार्टी के कार्यालय पहुंचे और वहां प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मणिपुर के हालात पर चिंता जताई। राहुल ने कहा कि मणिपुर में मेरा तीसरा दौरा है। मुझे लगा था कि यहां के हालात में सुधार हुआ होगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ है। ग्राउंड लेवल पर कोई इम्प्रूवमेंट नहीं है। मणिपुर को लेकर केंद्र सरकार बिल्कुल भी संवेदनशील नहीं है। मुझे नहीं लगता कि यहां के हालात सुधरेंगे। राहुल ने कहा कि में रिलीफ कैंप में गया और हिंसा पीडित लोगों की बातें सुनीं। लोगों से मुलाकात कर उन्हें भरोसा दिया है। मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि नफरत से कोई रास्ता नहीं निकलेगा।

उत्तराखंड में भारी बारिश.....उधमसिंह नगर से 100 लोगों को किया रेस्क्यु

उत्तराखंड (ईएमएस)। उत्तराखंड में मानसून की भारी बारिश लगातार पूरे प्रदेश में अपना कहर दिखा रही है। कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक हर जगह भारी बारिश से परेशानी दिख रही है। उधमसिंह नगर के खटीमा में चकरपुर में करीब 100 लोग भारी बारिश के कारण फंस गए थे। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम बैकअप के तौर पर उधमसिंह नगर के खटीमा में चकरपुर पहुंची। उसके बाद लगभग 100 लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। दूसरी ओर चंपावत के बनबसा में भी लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में जलभरवि हो गया है। यहां भी कई लोगों के फंसे होने की सूचना दी गई। जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने 110 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। अभी एसडीआरएफ की पांच टीम रेस्क्यू अभियान चला रही है। भारी बारिश की चेतावनी के बाद आर्मी और एसडीआरएफ दोनों ही मोर्चा संभाले हुए है। वहीं, लोगों से सावधानी बरतने की अपील भी की गई है।

आतंकवादियों और सेना के बीच भीषण मुठभेड़ सेना के 4 जवान शहीद

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकवादियों और सेना के जवानों के बीच सोमवार को भीषण मुठभेड़ हुई। इस घटना में सेना के 4 जवान शहीद हो गए और 6 अन्य घायल हो गए। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर का कठुआ जिला पंजाब के पठानकोट जिले से सटा हुआ है। पूरे घटनाक्रम पर सेना के सूत्रों ने कहा है कि आतंकियों की तरफ से पहले हमले किए गए, जवान की तरफ से जवाबी कार्रवाई की गयी। सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना कठुआ शहर से 150 किलोमीटर दूर लोहई मल्हार स्थित बदनोता गांव में हुई, जब सेना के कुछ वाहन इलाके में नियमित गश्त पर थे उसी समय आतंकियों ने उन्हें निशाना बनाया।

शुरुआती हमले के बाद आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड फेंका और फिर गोलीबारी की। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन आतंकवादी पास के जंगल में भाग गए।

आतंकी हमले के बाद सेना की तरफ से पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन की शुरुआत की गयी है। आतंकियों के तमाम संदिग्ध ठिकानों पर सेना की तरफ से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। हाल के दिनों में कठुआ और जम्मू के आसपास के क्षेत्रों में आतंकियों की तरफ से लगातार हमले हो रहे हैं।

नेपाल में बारिश......यूपी के महाराज गंज में बाढ़ से फसलों को नुकसान

लखनऊ (ईएमएस)। नेपाल में हो रही मूसलाधार बारिश से नारायणी नदी में पानी छोड़ने से भारत के तराई इलाके में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। यह देखकर प्रशासन ने बाढ़ अलर्ट जारी कर दिया है। नेपाल की तरफ से सोमवार को 4 लाख 41 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे सोहगीबरवा सहित कई गांव में बाढ़ का पानी घुस गया। वहीं सैकड़ों एकड़ फसल भी जलमग्न हो गई। जिलाधिकारी ने नदियों में बढ़ते जल स्तर के दृष्टिगत झूलनीपुर बैराज और सोहगीबरवा क्षेत्र का निरीक्षण कर हालात का जायजा लेकर सभी को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। महाराजगंज जिले में बहन वाली नारायणी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। सोहगीबरवा के लोगों ने बताया कि अचानक नदियों का जलस्तर बढ़ने से गन्ने और धान की फसल को नुकसान पहुंचा है और गांव वालों को फिर बाढ़ का खतरा सता रहा है। दरअसल, नेपाल से भारतीय क्षेत्र में बहकर आने वाली नदियों और नालों के उफान से हर साल एक तरफ जहां सैकड़ों एकड़ फसल बर्बाद हो जाती है, वहीं जनपद के कई इलाके बाढ़ से पूरी तरह घिर जाते हैं। कई दर्जन गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट जाता है और लोगों को अपना घर बार छोड़कर ऊंची जगहों पर जाने को मजबूर होना पड़ता है।

महुआ का दावा......शांतनु ठाकुर बीफ गैंग को बांग्ला देश बार्डर पार करा रहे

सोशल मीडिया पर शेयर किया लेटर हेड

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस सांसद ने केंद्रीय मंत्री पर बड़ा आरोप लगाया है। महुआ मोइत्रा का दावा है कि केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर अपने लेटर हेड पर बीफ के साथ गैंग को बांग्लादेश बॉर्डर पार कराने का पत्र जारी कर रहे हैं। महुआ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री के लेटर हेड की फोटो भी शेयर की है। महुआ ने जो लेटर हेड शेयर किया है वह पोत, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर का है। ठाकुर पश्चिम बंगाल के बनगांव से सांसद हैं। लेटर हेड एक फॉर्म की शक्ल में हैं। इसमें बीएसएफ की 85 बटालियन के कंपनी कमांडर को एक शख्स का नाम, उसका पता, आधार संख्या, सामान और उसका वजन लिखा हुआ है। इसमें अधिकारी से व्यक्ति को समान ले जाने में सहयोग की बात कही गई है। मोइत्रा के केंद्रीय मंत्री के कथित लेटर को शेयर करने के बाद लोग कई तरह के सवाल उठा रहे हैं।

अग्निवीर वायुसेना भर्ती के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय वायु सेना ने अग्निवीरवायु इंटेक के पद पर भर्ती के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक और योग्य व्यक्ति अग्निवीर वायु चयन परीक्षा 2024 के लिए 28 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। किसी भी स्ट्रीम/विषय में इंटरमीडिएट/10+2/समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवार उपरोक्त पदों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। उम्मीदवारों की आयु 03 जुलाई 2004 से 03 जनवरी 2008 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच होनी चाहिए।

पात्रता मापदंड

गणित, भौतिकी और अंग्रेजी के साथ 10+2 इंटरमीडिएट न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों और अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंकों के साथ या इंजीनियरिंग में मैकेनिकल/ इलेक्ट्रिकल/ इलेक्ट्रॉनिक्स/ ऑटोमोबाइल/कंप्यूटर साइंस/इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी/सूचना प्रौद्योगिकी) 3 साल का डिप्लोमा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ और डिप्लोमा पाठयक्रम में अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक या किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से गैर-व्यावसायिक विषय भौतिकी और गणित के साथ दो साल का व्यावसायिक पाठयक्रम जिसमें कुल 50 प्रतिशत अंक और अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक हों।

केंद्रीय, राज्य और केंद्रशासित प्रदेश द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्डों से किसी भी स्ट्रीम/विषय में इंटरमीडिएट/10+2/समकक्ष परीक्षा कुल मिलाकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों और अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।

आवेदन शुल्क

सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस: 550/-

एससी/एसटी: 550/-

भुगतान का प्रकार: परीक्षा शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/नेट बैंकिंग के माध्यम से करें

बिहार में वज्रपात का कहर....24 घंटे में 12 की मौत

पटना (ईएमएस)। बिहार के सात जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वज्रपात से हुई मौत पर गहरी संवेदना जाहिर कर कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। सीएम हाउस से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात की चपेट में आकर जमुई और कैमूर में तीन-तीन, रोहतास में दो, सारण, सहरसा, भोजपुर और गोपालगंज में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

नीतीश ने मृतक के परिजनों को आज ही चार-चार लाख रूपये की अनुग्रह राशि देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी तरह से सतर्कता बरतें, वज्रपात से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें, खराब मौसम के दौरान घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

ममता सरकार की याचिका खारिज

नई दिल्ली(ईएमएस)। संदेशखाली केस की सीबीआई जांच के खिलाफ ममता सरकार की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को संदेशखाली केस सीबीआई को सौंपा था। इसके खिलाफ ममता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गंवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सवाल किया था कि निजी लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए राज्य सरकार ने याचिका क्यों लगाई है। संदेशखाली की महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीडऩ और जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। मामले के तीन मुख्य आरोपी शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार 13 मई से कस्टडी में हैं।

बजट से पहले पीएम मोदी को नायडू और नीतिश ने सौंपी इच्छा-सूची-दोनों राज्यों ने बुनियादी ढांचे के लिए पैसा मांगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीश कुमार की जेडी (यू) ने कथित तौर पर 2024 के केंद्रीय बजट से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 5.7 बिलियन डॉलर (लगभग 48,000 करोड़ रुपये) की इच्छा-सूची सौंपी है। रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश और बिहार ने मोदी सरकार के सामने मांगों का एक बड़ा सेट प्रस्तुत किया है। इसके अलावा, दोनों राज्य केंद्र से बुनियादी ढांचे के खर्च के लिए आवंटित बिना शर्त दीर्घकालिक ऋण को लगभग दोगुना कर 1 लाख करोड़ रुपये करने का आग्रह कर रहे हैं। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, नायडू ने 1 लाख करोड़ रुपये (12 बिलियन डॉलर) से अधिक की वित्तीय सहायता का अनुरोध किया है। अपनी मांगों पर जोर देने के लिए उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में पीएम मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।

नायडू के अनुरोधों में आंध्र प्रदेश की राजधानी, अमरावती और पोलावरम सिंचाई परियोजना के विकास के लिए धन शामिल है। वह विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और अमरावती में मेट्रो परियोजनाओं, एक हल्की रेल परियोजना और विजयवाड़ा से मुंबई और नई दिल्ली के लिए वंदे भारत ट्रेन केलिए भी समर्थन चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पिछड़े जिलों और रामायपट्टनम बंदरगाह और कडप्पा में एक एकीकृत इस्पात संयंत्र जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अनुदान मांगा है।

वहीं बिहार नौ नए हवाई अड्डों, दो बिजली परियोजनाओं, दो नदी जल कार्यक्रमों और सात मेडिकल कॉलेजों के लिए धन की मांग कर रहा है। दोनों राज्य केंद्र से बुनियादी पर खर्च के लिए बिना शर्त दीर्घकालिक ऋण को लगभग दोगुना कर 1 लाख करोड़ रुपये (11.98 बिलियन डॉलर) करने के लिए भी कह रहे हैं।

चीनी सेना ने लद्दाख के पास इकट्ठे किए हथियार पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास चीन ने बनाए बंकर

नई दिल्ली(ईएमएस)। चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास बड़े पैमाने पर हथियार इकट्ठे कर रही है। स् फर्म ब्लैकस्काई ने इसकी सैटेलाइट तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में यहां हथियार और ईंधन के भंडारण के लिए चीनी सैनिकों के बनाए बंकर दिखाई दे रहे हैं। ये बंकर 2021-22 के दौरान बनाए गए हैं। इनमें ईंधन और हथियारों को छिपाया गया है। इस जगह पर बख्तरबंद गाड़ियां भी देखी गई हैं।

पैंगोंग झील के पास सिरजैप में चीनी सैनिकों का बेस है। यहां चीनी सैनिकों का मुख्यालय भी है। इस जगह पर भारत अपना दावा करता आया है। ये एसएसी से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है। 5 मई 2020 को चीनी सैनिक और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी।

उस वक्त ये पूरा इलाका खाली था। यहां न कोई गाड़ी थी, न ही कोई चौकी। चीनी सेना ने इसके बाद इलाके में धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ाईं। ब्लैकस्काई ने जो तस्वीर ली है वह 30 मई की है। इसमें एक भूमिगत बंकर साफ दिख रहा है। इस बंकर में 5 दरवाजे हैं। बंकर को इस तरह डिजाइन किया गया की इसे हवाई हमले से कोई नुकसान न हो। ब्लैकस्काई के एक विशेषज्ञ ने नाम न बताने की शर्त बताया कि इस बेस में कई बख्तरबंद गाड्यिों को छिपाया जा सकता है, परीक्षण रेंज, ईंधन और गोला-बारूद को इकट्ठा करने के लिए जगह भी है। चीनी सेना ने इस बंकर तक पहुंचने के लिए सडक़ों और खाइयों का नेटवर्क बनाया है।

सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया

ये बेस गलवान घाटी से 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है, जहां जून 2020 को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान 20 भारतीय सैनिकों की जान चली गई थी। अब तक भारत सरकार की तरफ से कोई भी जवाब नहीं आया है। एक पूर्व भारतीय सेना के अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि आज के समय में उपग्रहों या हवाई निगरानी प्लेटफार्मों का उपयोग करके सब कुछ सटीक रूप से पता लगाया जा सकता है। बेहतर सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए सुरंग बनाना ही एकमात्र उपाय है।

इससे पहले तिब्बत के पास तैनात किए थे लड़ाकू विमान

इस साल मई में चीन ने उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम के समीप तिब्बत में शिगात्से एयरबेस पर अत्याधुनिक छ्व20 स्टेल्थ लड़ाकू विमानों को तैनात किया था। 27 मई को जारी सैटेलाइट तस्वीरों इसका खुलासा हुआ था। ये इलाका भारत के पूर्वी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा से केवल 150 किलोमीटर दूर है।

यूपी और बिहार में लोन बांटने की रफ्तार स्लो करें.....वर्ना फूट सकता है बुलबुला

आरबीआई ने माइक्रोफाइनेंस कंपनियों को चेताया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक ने यूपी और बिहार में कर्ज बांटने को लेकर बड़ा निर्देश दिया है। आरबीआई ने कहा इन दोनों राज्यों में कर्ज बांटने की रफ्तार स्लो करनी होगी, क्योंकि यहां कर्ज का बुलबुला फूटने का डर है। आरबीआई ने निर्देश खासकर माइक्रो फाइनेंस कंपनियों को देकर उन्हें आगाह किया है कि जोखिम का सही से प्रबंधन नहीं किया गया, तब आने वाले समय में नुकसान हो सकता है। आरबीआई यह चिंता बेवजह नहीं है। दोनों राज्यों में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के लोन का आंकड़ा देखने पर स्थिति साफ नजर आती है। यूपी और बिहार में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के कुल लोन का 25.3 फीसदी कर्ज बांटा गया है। इसका मतलब हुआ कि इन दोनों राज्यों में कुल कर्ज का एक चौथाई बांट गया है। खासकर कम आमदनी वाली महिलाओं को बड़ी संख्या में कर्ज बांटे गए। साल 2019 के बाद से यूपी और बिहार में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के लोन का दायरा सबसे तेजी से फैला है।

रिपोर्ट के अनुसार, बिहार में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के कुल लोन में 10.1 फीसदी हिस्सा उन लोगों का है, जिन्होंने 3 जगह से लोन ले रखा है। वहीं, चार या इससे ज्यादा बैंकों से लोन लेने वालों की संख्या 8.7 फीसदी है। यूपी के मामले में आंकड़ा क्रमशः 7.7 फीसदी और 6.6 फीसदी है। साल 2019 के बाद यूपी और बिहार में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के लोन का ग्रोथ काफी तेजी से हो रहा है। इन दोनों राज्यों में देश के अन्य राज्यों के मुकाबले लोन का ग्रोथ काफी तेजी से हो रहा है।

माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट का 14.8 फीसदी हिस्सा सिर्फ बिहार में है, जो पश्चिमी बंगाल और तमिलनाडु को पीछे छोड़कर सबसे आगे पहुंच गया है। इसके बाद में जोखिम वाले लोन बांटना इन कंपनियों के लिए खतरे की घंटी है।

खालिस्तान संगठन एसएफजे पर अगले 5 साल के लिए बढ़ेगा बैन

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा एसएफजे और उसके संरक्षक गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ की गई जांच से मिले नए सबूतों का हवाला देते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पर अगले पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर ली है।

एनआईए एसएफजे और अमेरिकी नागरिक पन्नू के खिलाफ आधा दर्जन मामलों की जांच कर रही है। एजेंसी ने पिछले साल पंजाब और चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश में उसकी संपत्तियां जब्त की थीं। एसएफजे पर पहली बार 10 जुलाई, 2019 को यूएपीए के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया था। एनआईए के मुताबिक, पन्नू आतंकी कृत्यों और गतिविधियों को बढ़ावा देने और उन्हें अंजाम देने तथा पंजाब और भारत के अन्य हिस्सों में धमकियों और धमकाने की रणनीति के जरिए भय और आतंक फैलाने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। एजेंसी के अनुसार, एनआईए जांच में यह भी पता चला है कि पन्नू का संगठन, सिख फॉर जस्टिस, भोले-भाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें आतंकवादी अपराध और गतिविधियों के लिए उकसाने के लिए साइबर स्पेस का दुरुपयोग कर रहा था।

जन हितैषी

आयुष्मान योजना के नाम पर गरीबों से पल्ला झाड़ती सरकार

केंद्र सरकार आयुष्मान भारत का बीमा कवर 10 लाख रुपए करने की तैयारी कर रही है। आयुष्मान योजना में लाभार्थियों की संख्या दोगुनी करने की बात कर रही है। आयुष्मान योजना में बड़ी-बड़ी बीमारियों और बड़े ऑपरेशन को शामिल किया जाता है। सरकार ने सरकारी अस्पतालों को भी आयुष्मान भारत योजना से जोड़कर गरीब और मध्यम वर्गीय आम आदमी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को उसकी पहुंच से दूर करने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना के कारण सरकारी और निजी अस्पतालों में गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। जो दवाइयां और जांच सरकारी अस्पतालों में मिलनी चाहिए थी। जो डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए मिलना चाहिए था। वह अब संभव नहीं हो पा रहा है। गंभीर बीमारियों के इलाज के मामले में जिनमें लाखों रुपए का खर्च आता है, उन्हीं बीमारियों का इलाज आयुष्मान योजना में कवर है। पूरे जीवन में एक या दो बार कभी इस तरह की बीमारियों से आम आदमियों को सामना करना पड़ता है। समय-समय पर होने वाले सर्दी, जुकाम, बुखार और अन्य बीमारियां जिनका उपचार दवाइयों के माध्यम से होता है, आयुष्मान योजना में वह उपलब्ध नहीं होती हैं। सरकारी अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। खुले बाजार से महंगी कीमत पर यह दवाइयां आम गरीबों को खरीदना पड़ रही हैं। जब से आयुष्मान योजना लागू हुई है उसके बाद पिछले एक दशक में दवाइयों की कीमत बाजार में 10 गुना से ज्यादा बढ़ गई है। डॉक्टरों की फीस 200 रूपये से लेकर 700 रुपए तक छोटे शहरों में मरीजों को चुकानी पड़ रही है। मरीजों को महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। लाइन में लगने के बाद यदि डॉक्टर उपलब्ध हो गए, तो सरकारी अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं। गरीब और मध्यम वर्ग को सरकार ने आयुष्मान योजना का झुनझुना पकड़ा कर पल्ला झाड़ लिया है। स्वास्थ्य सेवाओं में लूट का एक नया दौर शुरू हुआ है। आयुष्मान भारत योजना बीमा आधारित योजना है। बीमा कंपनियां इस योजना में बड़ी-बड़ी बीमारियों को शामिल करती हैं। निजी अस्पतालों में तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। निजी अस्पताल धोखाधड़ी भी कर रहे हैं। निजी एवं सरकारी अस्पतालों में गरीबों को उपचार नहीं मिल पा रहा है। सामान्य बीमारियों में उपचार की जरूरत समय-समय पर पडती हैं। वह आयुष्मान योजना से कवर नहीं होती है। जिसके कारण निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के ऊपर स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। आयुष्मान भारत बीमा योजना में सरकार 5 लाख और 10 लाख रुपए तक खर्च करने की बात जरूर करती है, लेकिन सामान्य बीमारियों का इलाज इस बीमा योजना से क्यों नहीं होता है? कुछ वर्षों पहले तक जो ऑपरेशन और इलाज 10000 से लेकर 50000 रूपये के खर्चे में आसानी से हो जाते थे, अब वही इलाज और ऑपरेशन का खर्च लाखों रुपया क्यों हो गया है। इसका पता भी सरकार को करना चाहिए। दवाइयों की कीमतें इतनी तेजी के साथ क्यों बढ़ी हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। जब परिवार का कोई सदस्य सामान्य बीमारी का शिकार होता है तो डॉक्टरों की फीस और दवाइयों में हजारों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। डॉक्टर जो जांच कराते हैं। उनके लिए भी हजारों रुपए खर्च हो जाते हैं। सामान्य बीमारियां और उनकी जांच बीमा में कवर नहीं होती है। आयुष्मान योजना में इसका लाभ गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण लोगों में अब गुस्सा देखने को मिलने लगा है। आयुष्मान योजना लागू होने के पहले सरकारी अस्पतालों में जो व्यवस्थाएं थीं उसमें गरीबों को डॉक्टर दवाइयां और इलाज उपलब्ध कराई जा रही थी। सरकारी अस्पतालों में जांच का जिम्मा सरकार उठाती थी। अब यह सारी स्थितियां सरकारी अस्पतालों में खत्म होती जा रही हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेज भी आयुष्मान योजना से जोड़ दिए गए हैं। जिला अस्पताल भी आयुष्मान योजना से जोड़ दिए गए हैं। जिसके कारण सरकारी अस्पतालों में आमजनों को अब इलाज नहीं मिल पा रहा है। लोगों को बाजार से महंगी दवाई खरीदनी पड़ रही है। जो दवाई 10 साल पहले एक रुपए की बाजार में उपलब्ध थी। आज वही दवाई बाजार में 10 रूपये से ज्यादा कीमत पर मिल रही है। सरकार ने यह मान लिया है, आम लोगों को सामान्य बीमारियां नहीं होती हैं। सामान्य बीमारियों के लिए उसे बाजार के भरोसे छोड़ दिया गया है। दवा कंपनियों की लूट मची हुई है। बड़े-बड़े ऑपरेशन और गंभीर बीमारियों का इलाज ही आयुष्मान योजना में हो पा रहा है। होना तो यह चाहिए कि अस्पताल की कोई भी स्वास्थ्य सेवाएं हों, आयुष्मान कार्डधारी को जांच से लेकर दवाइयां और ऑपरेशन इत्यादि निःशुल्क मिलने की जिम्मेदारी आयुष्मान योजना में होनी चाहिए, जो नहीं है। बीमा की राशि 5 लाख हो या 10 लाख हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। कोई भी आदमी बीमार नहीं होना चाहता है। मौसम में बदलाव, खाने-पीने के कारण एवं अन्य कारणों से समय-समय पर बीमारियों का सामना लोगों को करना पड़ता है। उस समय बीमा योजना उनकी कोई मदद नहीं करती है। उल्टा बीमार व्यक्ति के परिवारजन को अपनी बचत का पैसा या कर्ज लेकर इलाज कराना पड़ता है। सरकार गरीबों की इस परेशानी को समझे और अस्पतालों में किसी भी बीमारी की जांच और इलाज मुफ्त में हो। इसकी व्यवस्था आयुष्मान भारत बीमा योजना में करने की जरूरत है। तभी गरीबों का भला होगा। अभी तो बीमा कंपनियों का और सरकार में बैठे राजनेताओं का ही भला हो रहा है। बड़ी-बड़ी दवा कंपनियां सरकार को करोड़ों रुपयों का चंदा देती हैं। मनमानी कीमतों पर दवाइयां बेच रही हैं। यही वर्तमान का सच है।

लालू की भविष्यवाणी... हकीकत या कहानी...?

(एक सामयिक सवाल)

देश के वरिष्ठ राजनेता तथा राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने पूरे होश-हवाश में यह भविष्यवाणी की है कि नरेन्द्र मोदी की केन्द्र सरकार अगस्त तक की ही मेहमान है, उसके बाद उसका अंत हो जाएगा, अब लालू जी ने यह भविष्यवाणी किस आधार पर की, यह तो उन्होंने उजागर नही किया, किंतु जब कोई राष्ट्रीय स्तर का राजनेता इस तरह की भविष्यवाणी करता है, तो उस पर पूरे राष्ट्र का ध्यान जाना स्वाभाविक है, या तो लालू जी ने राजनीतिक कयासों के आधार पर ऐसा कुछ कहा है या उन्होंने अपना अंकीय दृष्टिकोण उजागर किया है, वैसे जिन हालातों में मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने है, वे किसी से भी छुपे नही है, ''कहीं की ईंट, कही का रोड़ा, मोदी जी ने कुनबा जोड़ा'' की उक्ति ही उनकी सरकार के बारे में बार-बार कही जा रही है, अब ऐसे में लालू जी का क्या गणित है? यह उन्होंने अभी उजागर नही किया है, किंतु यह बात तय है कि मोदी जी अपनी सरकार की पिछली दो पारियों की तरह पूरी दबंगता से अपनी तीसरी सरकार नही चला पाएगें, क्योंकि जहां राजनीतिक स्वार्थों के बीच करीबी टकराव होता है, वहां सत्ता से जुड़े राजनेता राजनीति के उद्देश्य और सिद्धांत सभी विस्मृत कर देते है, ...और आज देश इसी की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है।

मोदी जी की तीसरी सरकार बनने के बाद मैंने यही सब कुछ लिखा था, विशेषकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के बीच राजनीतिक स्वार्थ के बारे में और उसका भविष्यवाणी लालू जी ने कर दी। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि मोदी जी जैसा व्यक्तित्व राजनीतिक या सत्ता के स्वार्थ के सामने अपने सिद्धांतों का समर्पण करने वाला व्यक्तित्व नहीं है इसलिए जबकि ऐसी कोई विकट स्थिति पैदा हुई तो वे एक मिनट में पद से इस्तीफा दे सकते है।

इन्हीं सब राजनीतिक हालातों के देखते हुए राजनीतिक पंडित इस सरकार को स्थाई सरकार मानने को तैयार नही है, इन पंडितों का कहना है कि जिस दिन भी सत्तारूढ़ किसी भी राजनीतिक दल की स्वार्थ सिद्धी में अवरोध पैदा होगा उसी दिन वह सरकार से समर्थन वापस लेने में देरी नही लगाएगा और चूंकि पक्ष और विपक्ष के बीच बहुमत का अंतर बहुत कम है, इसलिए उसी दिन इस सरकार का अवसान हो जाएगा और फिर देश में एक ही विकल्प बचेगा और वह होगा राष्ट्रपति शासन और उसके बाद मध्यावधि चुनाव करवाने की ही मजबूरी होगी, इसलिए इस मौजूदा सरकार की तुलना महाभारत काल के कौरव-पांडव के बीच की द्रोपदी से की जाए तो बिल्कुल भी गलत नही होगा।

वैसे यहां यदि यह भी कहा जाए कि हमारी आजादी के सात दशक बाद देश की आम वोटर राजनीतिक स्वार्थी व सत्ता लौलूप राजनेताओं से परेशान होगया है तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि आज सत्तारूढ़ दल हो या विपक्षी दल किसी में भी 'जनसेवा' की भावना तो बिल्कुल भी मौजूद नही रही है, इन सब पर राजनीतिक तथा व्यक्तिगत स्वार्थ सिद्धी हावी हो गई है और इसी भावना के चलते देश अपना गौरवमयी अतीत तथा वर्तमान सब भूल चुका है, आज देशके आम वोटर के सामने सबसे अहम सवाल देश की स्थिति का नहीं, उसके स्वयं के व परिवार के भरण-पोषण का है, इसलिए उसे देश व राजनीति के बारे में सोचने की फुर्सत ही नही है, स्वार्थी राजनेताओं ने जानबूझकर देश में ऐसी स्थिति पैदा की है, जिससे कि वे सत्ता में 'दीर्घजीवी' बने रहे है, ऐसे हालातों में इस देश, इसकी आजादी और देशवासियों का क्या होगा? इसका जवाब कोई भी ''भाग्यविधाता'' देने को तैयार नही है।

....और जहां तक लालू जी के ताजे बयान के अर्थ निकाले जाए तो उनका कथन गलत नही लगता, क्योंकि आज देश में सत्तारूढ़ दलों के बीच देश को आगे बढ़ाने या उसके विकास की स्पर्द्धा नही है, बल्कि अपनी राजनीतिक व्यक्तिगत स्वार्थ सिद्धी की स्पर्द्धा है, जिस प्रजातंत्री देश में प्रजा गौण और तंत्र मुख्य हो जाता है वहां यही होता है, इसलिए अब 'प्रजा' को ही 'तंत्र' के बारे में गंभीर चिंतन करना पड़ेगा और सही राह पर देश को लाना पड़ेगा। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

मंडराने लगे हैं जल संकट के बादल

इसी वर्ष मई माह के मध्य में दक्षिण अीक्रा से आई इस ख़बर ने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया कि राजधानी केपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है। 2018 की शुरुआत में ही कैपटाउन के लोगों को इस आशय की चेतावनी दे दी गयी थी। दरअसल यहां तीन वर्षों से लगातार पड़ने वाला सूखा इस ख़तरनाक स्तर तक पहुंच गया था कि फ़रवरी 2018 में ही डे -ज़ीरो के तहत सारे नलों से पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई थी । उसी समय हालात ऐसे हो गए थे कि नागरिकों को सप्ताह में केवल दो बार नहाने का आदेश दिया गया था साथ ही शौचालय में फ़्लश के लिए टंकी के पानी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आख़िरकार मई 2024 में इसी कैपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित कर दिया गया । अब यहाँ पुलिस व सेना की सुरक्षा में संचालित 200 जल आपूर्ति केंद्रों से केवल 25 लीटर पानी प्रति परिवार को दिया जा रहा है। भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत कैपटाउन में 75 फ़ीसदी घरों की पानी सप्लाई काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज़्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुका है। यहां सिंचाई में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ़ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है।

तो क्या पूरा विश्व कैपटाउन जैसे जलसंकट का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है ? यदि कुछ दिन पहले जारी की गयी संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी पर नज़र डालें तो संयुक्त राष्ट्र ने आगाह कर दिया था कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। और इस संकट की शुरुआत हो चुकी है। कुछ समय पूर्व सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु में जल संकट का समाचार मिला। 1 करोड़ 30 लाख आबादी वाले बेंगलुरु में अमीरों ग़रीबों को एक साथ हाथों में बाल्टियां लिये सूखे पड़े नलों व टैंकर्स के पास लम्बी क़तार लगाये देखा गया। यहाँ तक कि सरकारी अस्पतालों में हवा से पानी बनाने की मशीन लगानी पड़ी। परन्तु ऐसा लगता है कि यदि पृथ्वी वासी हम आम जनों ने पानी की बर्बादी करने वाली अपनी दिनचर्या न तो बदली और न ही जलसंरक्षण पर ध्यान न दिया। नतीजतन संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी यह चेतावनी कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, यह सही साबित होने में अब ज़्यादा वक़्त लगता नज़र नहीं आता।

जल संकट मंडराने का दृश्य मैंने अपनी आँखों से पिछले दिनों अपनी सांगला (हिमाचल प्रदेश) की यात्रा के दौरान स्वयं महसूस किया। मैंने केवल बरसात के मौसम में ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष पहाड़ों पर तेज़ धार से बहने वाले शीतल जल के अनगिनत झरने / चश्मे बहते देखे हैं। उन झरनों पर लगने वाली भीड़,लोगों को वहां खड़े होकर अपने वाहनों की धुलाई करते,नहाते,कपड़े धोते, मस्ती करते,फ़ोटो सेशन कराते और कहीं कहीं तो फ़िल्में शूट होते भी देखा है। इन्हीं जगहों पर कुछ ग़रीबों को मक्के की छल्ली बेचते,चिप्स,चाय कोल्डड्रिंक्स गोली टॉफ़ी बेचते भी देखा है। परन्तु अत्यंत दुखद है कि गत दो दशकों से झरनों के सूखने का यह सिलसिला आज यहाँ तक आ पहुंचा है कि वही अनगिनत झरने पूरी तरह सूखे पड़े हैं। ऊँची पर्वत श्रंख्लाओं पर इकट्ठी बर्फ़ पिघल चुकी है। ग्लेशियर सूखे पड़े हैं। गोया नदी जल का मुख्य स्रोत समझे जाने वाले अधिकांश पहाड़ी चश्मे सूख चुके हैं। झरना स्थलों पर सन्नाटा पसरा पड़ा है। पहाड़ों की हरियाली ख़त्म होती जा रही है। इसी संकट के परिणामस्वरूप देश की तमाम नदियां सूखती जा रही हैं।

मीठे पानी की कमी का दुष्प्रभाव हिमाचल प्रदेश जैसे जल स्रोत वाले प्रमुख राज्य में क्या देखना पड़ा यह मेरी आपबीती से समझ सकते हैं। शिमला के आगे फ़ागू घाटी के एक होटल में रुकने के लिये कमरा बुक करने के समय होटल मालिक ने साफ़ कह दिया कि पानी की कमी है। सुबह को केवल ेश होने के लिये टंकी से पानी थोड़ी देर के लिये चलेगा परन्तु नहाने धोने के लिये पानी नहीं है। पीने के लिये बोतल का पानी उपलब्ध है। इसके बाद नारकंडा में स्थित एकमात्र सुलभ शौचालय जलरहित थाऔर बदबू फैली हुई थी। रामपुर के निकट कार में तेल डलवाने के बाद जब पम्प कर्मचारी से शौचालय के बारे में पता किया तो वह बोला कि शौचालय तो ज़रूर है परन्तु पानी नहीं है। और इंतेहा तो तब हुई जब सांगला में जहाँ ठहरे थे वहाँ भी पानी का काल पड़ा हुआ था। जबकि सामने कलकल करती बसपा नदी बह रही थी। अपने जीवन के किसी पहाड़ी दौरे में पानी के काल का व्यक्तिगत अनुभव हासिल करने का यह पहला मौक़ा था जिसने भविष्य के संभावित जलसंकट की याद दिलाकर अत्यंत विचलित व चिंतित कर दिया।

ग्लोबलवार्मिंग के दुष्प्रभाव के कारण इसका कोई तात्कालिक जादुई समाधान तो नज़र नहीं आता परन्तु प्रत्येक व्यक्ति व सरकारों को इस दिशा में कुछ न कुछ कोशिश तो करनी ही चाहिये। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिये पूरे विश्व को पूंजीवाद का मोह छोड़ मानवता के प्रति प्रेम दर्शाते हुये प्राकृतिक संतुलन बनाने की दिशा में सख़्त क़ानून बनाकर कड़े क़दम उठाने चाहिये।

ग़ौरतलब है कि विकास के नाम पर पूंजीवाद पेड़ों की कटान कर समतल ज़मीन चाहता है जबकि प्रकृति अधिक से अधिक वृक्षारोपण चाहती है। वृक्षारोपण को तो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का हिस्सा मान लेना चाहिये। हर इंसान को शादी,पार्टी ,मरना,सालगिरह,विवाह वर्षगांठ,बरसी आदि हर ग़म ख़ुशी व त्यौहार के अवसर पर वृक्षारोपण ज़रूर करना चाहिये। इसी तरह पूंजीवाद अधिक से अधिक वाहनों की बिक्री में दिलचस्पी रख प्रदूषण को बढ़ाने में भागीदार होता है जबकि प्रकृति प्रदूषणमुक्त वातावरण चाहती है। इसके अतिरिक्त वर्षा जल को संचित करने के लिये सूखे पड़े तालाबों को गहरा करने व अधिक से अधिक नये नये तालाब खोदने की ज़रुरत है। इससे जल संग्रहण भी होगा और आसपास का भूगर्भीय जलस्तर भी सुधरेगा। नवनिर्मित होने वाले मकानों में बारिश में छतों का पानी संचित करने के लिये एक पाइप ज़मीन में डालने की प्रक्रिया (लैंड रिचार्जिंग सिस्टम) को अनिवार्य किया जाना चाहिये। समय रहते यदि हमने जलसंरक्षण के उपाय नहीं किये तो यक़ीन जानिये वह दिन दूर नहीं जब हम अपने बच्चों को भीषण जलसंकट के वातावरण में छोड़ कर जाने के लिये मजबूर होंगे। क्योंकि जल संकट के बादल भारत सहित पूरे विश्व में मंडराने लगे हैं। (लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

सियासत की नयी सूरत और देश की जरूरत

देश में चुनाव हुए और नयी सरकार बने एक महीने से चार दिन ऊपर हो चुके हैं। देश की नई सूरत धीरे-धीरे उभर कर सामने आने लगी है। देश के प्रधानमंत्री और संसद में विपक्ष के नेता की प्राथमिकताएं भी आकार लेती दिखाई दे रहीं है। देश जब बाढ़ की विभीषिका और हाथरस के हादसे से दो चार हो रहा है तब मैदान में लोकसभा में विपक्ष के नेता तो यत्र-तत्र नजर आ रहे हैं लेकिन देश के प्रधानमंत्री के दर्शन दुर्लभ है। सुना है कि वे अपनी नयी विदेश यात्रा पर रवाना हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं की तुलना लोकसभा में विपक्ष के नेता से करना अनुचित कही जा सकती है ,लेकिन प्राथमिकताओं पर बात करना बिलकुल अनुचित नहीं हो सकता। मोदी जी को ऑस्ट्रिया जाना है, रूस जाना है। वे जा सकते है । उन्हें जाना चाहिए,आखिर वे देश के प्रधानमंत्री हैं। विदेशों से रिश्ते बनाने यदि प्रधानमंत्री नहीं जायेंगे तो और कौन जाएगा ? पहले भी प्रधानमंत्री ही ये काम करते थे ,आज भी कर रहे हैं और कल भी करेंगे । सवाल प्रधानमंत्री जी के विदेश दौरों का नहीं है। सवाल ये है कि प्रधानमंत्री जी देश के उन हिस्सों का दौरा करने से क्यों बच रहे हैं जिन हिस्सों को उनकी सख्त जरूरत है।

प्रधानमंत्री जी देश की संसद की नहीं मानते न माने लेकिन वे अपनी मातृ संस्था राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ की भी नहीं मान रहे ,ये चिंताजनक है। संघ ने उन्हें पिछले दिनों अहंकार का त्याग करने ,मणिपुर की चिंता करने और विपक्ष को प्रतिपक्ष मानने की सलाह दी थी। दुर्भाग्य संघ का कि उसके स्वयं सेवक कहें या प्रचारक, ने संघ की व्यास गद्दी पर बैठे डॉ मोहन भागवत की सीख नहीं मानी। इंद्रेश कुमार की सलाह को अनसुना कर दिया। मोदी जी न मणिपुर गए और न हाथरस। लगता है कि उनके पास किसी भी पीडित के जख्मों पर लगाने के लिए मरहम बचा ही नहीं है। वे कहीं जाकर करें भी तो क्या करें ? ये काम सत्तापक्ष का थोड़े ही है,ये काम विपक्ष का है।

मुझे लगता है कि मोदी जी ने संघ की बात मानी हो या न मानी हो किन्तु लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संघ की बात अवश्य मान ली है । वे हाथरस भी गए और दोबारा मणिपुर भी जा रहे हैं। राहुल गाँधी ने संघ की किसी शाखा में कभी कोई प्रशिक्षण नहीं लिया है ,फिर भी उन्हें पता है कि नेताओं को अपनी प्राथमिकता में सबसे ऊपर किस मुद्दे को रखना चाहिए और किसे नहीं ? मोदी जी की प्राथमिकता में ऑस्ट्रिया और रूस का दौरा है तो राहुल की प्राथमिकता में हाथरस और मणिपुर है।

आपको याद दिला दूँ कि सत्तारूढ़ दल के मीडिया सेल ने चुनाव समाप्त होते ही लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी की इटली यात्रा का हवाई टिकट वायरल किया था।टिकट असली था या नकली ,ये राम जानें किन्तु राहुल गांधी भाजपा के रहस्योद्घाटन के बाद भी अभी तक अपनी ननिहाल इटली नहीं गए। हाँ शपथग्रहण के फौरन बाद हमारे प्रधानमंत्री जी जरूर इटली का दौरा कर आये। आखिर इटली से भारत का रोटी-बेटी का रिश्ता जो है। मोदी जी की इटली यात्रा से भारत को क्या हासिल हुआ और क्या नहीं ,कोई नहीं जानता। राष्ट्रपति को भी शायद इस बारे में कोई जानकारी नहीं होगी ,क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री जी कभी कुछ बताते ही नहीं हैं। वे किसी को कुछ नहीं बतात। वे संसद को कुछ नहीं बताते।

नयी सरकार का पहला बजट तैयार किया जा रहा है ,किन्तु प्रधानमंत्री जी को ऑस्ट्रिया जाना है। रूस जाना है। उन्हें विदेशों से भारत के रिश्ते सुधारना है ,उन्हें देश में किसी से रिश्ते सुधरने की जरूरत नहीं है । संघ से भी नही। कांग्रेस से तो बिलकुल नहीं। फ़िलहाल मोदी जी देश में केवल टीडीपी और जेडीयू से रिश्तों को प्राथमिकता दे रहे है । मुमकिन है कि मोदी जी ने अपनी सरकार की वित्तमंत्री कोइस बारे में निर्देश दे दिए हैं कि उन्हें टीडीपी और जेडीयू के लिए क्या करना है ? दोनों ने अपने-अपने राज्यों के लिए जो माँगा है ,सो उंन्हें दे दिया जाएगा ताकि वे अपनी बैशाखियों कोहटाने के बारे में सोचें ही नहीं। अभी मोदी जी को अपनी सरकार चलने के लिए बैशाखियों कीसख्त जरूरत है।

इंदिरा गाँधी और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद वे देश के ऐसे तीसरे प्रधानमंत्री हैं जो दूर की सोचते हैं। दूर की सोचते ही नहीं बल्कि दूर की कौड़ी भी ले आते हैं। उन्हें पास का शायद साफ़-साफ़ नहीं दिखाई देता। यदि दिखाई देता तो वे मणिपुर जाते,वे हाथरस जाते। ऑस्ट्रिया या रूस नहीं जाते। बहरहाल हम और आप मोदी जी की प्राथमिकताओं पर सवाल करने वाले कौन होते हैं ? देश की जनता को ,विपक्ष को ,मीडिया को ,अदालतों को सवाल करने का अधिकार शायद अब है ही नहीं। सवाल वहां किये जाते हैं जहां जबाबदेह सरकार हो । यहां तो बैशाखी सरकार है।जनता ने उसे 400 पार नहीं कराया तो वो जनता की क्यों सुने ? सरकार जनादेश से नहीं बैशखियों से चल रही है। ऐसे में बैशाखियों की सुनी जाएगी न भाई !

जनता आने वाले दिनों में बैशाखियों पर टिकी सरकार का कुछ नहीं बिगाड़ सकती। उसे जो करना था सो वो कर चुकी है। अब जो करना है वो सरकार को करना है। इसलिए चुपचाप तमाशा देखिये। क्योंकि हम एक तमाशबीन लोकतन्त्र की रियाया जो हैं।

संसद अखाड़ा नहीं है

संसद में नेता विपक्ष के रूप में श्री राहुल गांधी का भाषण सही नहीं है इसका कारण है आप 358के नियम की अवहेलना कर रहें हैं संसद में भगवान को घसीटना उचित नहीं है हाथ और मुद्रा में बहुत अंतर है हाथ गलत काम के लिए भी जिम्मेदार है एक तो भगवान के फोटो पर सभापति का पैर पड़ रहा है इतना तो ख्याल करना चाहिए ईश्वर के फोटो को संसद में घसीटने से क्या मिलेगा उससे पंडित तो नहीं बन सकते हैं क्योंकि पंडित वही बन सकता है जो ढाई अच्छर प्रेम को पढ़ा हो पोथी पढ़ पढ़ जग मुआ, पंडित भया न कोए। ढाई अक्षर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होए।। उपरोक्त पंक्ति के रचियता कबीरदास हैं। इस पंक्ति के माध्यम से ये कहना चाह रहें है कि बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुँच गए, पर सभी विद्वान न हो सके जो ढाई अच्छर प्रेम यानि राम का पढ़ने से ज्ञानी या पंडित हो सकते हैं कबीरदास जी कहते हैं कि बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुँच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही अच्छी तरह पढ़ ले, अर्थात प्यार का वास्तविक रूप पहचान ले तो वही सच्चा ज्ञानी होगा।। दिल में उठने वाली भावनाओं को आप बखूबी व्यक्त कर सकते हैं किंतु यदि आपके हृदय में किसी के प्रति प्रेम है तो आप उसे अभिव्यक्त कर ही नहीं सकते, क्योंकि यह एक अहसास है और अहसास बेजुबान होता है, उसकी कोई भाषा नहीं होती। प्रेम में बहुत शक्ति होती है

कबीरदास जी पंद्रहवीं शताब्दी के संत थे और भक्तिकाल के कवियों मे वह प्रमुख रहस्यवादी कवि थे।आज जब हर जगह धर्म के नाम पर आतंकवाद फैला हुआ है तब कबीर के दोहों को याद करना और उन्हे जीवन मे उतारना बहुत प्रासंगिक लगता है। सभापति का पैर पड़ने का जिक्र इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि जब देव संस्कृति विश्वविधालय, शातिकुंज के कुलपति डॉ प्रणव पांडया जी को राज्यसभा का सांसद बनने का आग्रह बीजेपी सरकार की तरफ से किया गया था तो मना करने का एक कारण ऐ भी था जो उनके भक्तों से मालूम पड़ा, जहाँ तक अग्निवीर का सबाल है ऐ सेना का मामला है जिसे सेना के सुप्रीम निर्णय लेंगे लेकिन एक तरफ जहाँ क़्रोई देश मानव बम का इस्तेमाल करता है जो उसकी बेड़ा में अस्त्र के रूप में शामिल है वहाँ यदि देश के लिए मरना पड़े तो मैं भी चला जाऊंगा निस्वार्थ भाव से देश से बड़ा कुछ नहीं है जहाँ तक हिन्दू धर्म पर संसद में राहुल जी ने सवाल खड़ा किये चाहे वो सांसद ही क्यों ना हो वह जनता के चुने हुए प्रतिनिधि है विश्व में जितने धर्म (पंथ) प्रचलित हैं, उनमें सनातन धर्म (सनातन पंथ जिसे आदि शंकराचार्य के बाद उनके द्वारा बताई साधना करने वालों के जन-समूह को हिन्दू कहा जाने लगा तथा सनातन पंथ को हिन्दू धर्म के नाम से जाना जाने लगा, यह हिन्दू धर्म) सबसे पुरातन है। इस धर्म की रीढ़ पवित्रा चारों वेद (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद) तथा पवित्रा श्रीमद्भगवद गीता है। प्रारंभ में केवल चार वेदों के आधार से विश्व का मानव धर्म-कर्म किया करता था। ये चारों वेद प्रभुदत्त (ळवक ळपअमद) हैं। इन्हीं का सार श्रीमद्भगवद गीता है। इसलिए यह शास्त्रा भी प्रभुदत्त (ळवक ळपअमद) हुआ। ध्यान देने योग्य है कि जो ज्ञान स्वयं परमात्मा ने बताया है, वह ज्ञान पूर्ण सत्य होता है। इसलिए ये दोनों शास्त्रा निःसंदेह विश्वसनीय हैं। प्रत्येक मानव को इनके अंदर बताई साधना करनी चाहिए। वह साधना शास्त्राविधि अनुसार कही जाती है। इन शास्त्रों में जो साधना नहीं करने को कहा है, उसे जो करता है तो वह शास्त्राविधि त्यागकर मनमाना आचरण कर रहा है जिसके विषय में गीता अध्याय 16 श्लोक 23.24 में इस प्रकार कहा है:- ? श्लोक नं. 23:- जो पुरूष यानि साधक शास्त्राविधि को त्यागकर अपनी इच्छा से मनमाना आचरण करता है, वह न सिद्धि को प्राप्त होता है, न परम गति यानि पूर्ण मोक्ष को और न सुख को ही।(गीता अध्याय 16 श्लोक 23) ? श्लोक नं. 24:- इससे तेरे लिए इस कर्तव्य यानि जो भक्ति कर्म करने योग्य हैं और अकर्तव्य यानि जो भक्ति कर्म न करने योग्य हैं, इस व्यवस्था में शास्त्रा ही प्रमाण हैं। ऐसा जानकर तू शास्त्राविधि से नियत कर्म यानि जो शास्त्रों में करने को कहा है, वो भक्ति कर्म ही करने योग्य हैं।अतः राहुलजी को हकीकत तब मालूम होगा विपक्ष एकता का जब राज्य में विधानसभा चुनाव होंगे अतः शांति से काम लेना चाहिए। (लेखक - संजय गोस्वामी- /ईएमएस)

शब्द पहेली - 8062

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज,पताका-2
4. वहम,संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली,रिक्त-2
9. रसूल,अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय,बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना,महीन करना-3
20. उष्ण,गर्म-3
22. उत्तम,विष्णु अवतार-3
24. परत,तह-2
26. खेती-2
27. अधर,होठ-2
28. ताऊ की पत्नी,बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर,अप्सरा-2
5. सूक्ति,वाणी,शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार,सितारा-2
10. रोचक,सुंदर,मनोहारी-5
11. शीतलता,मुठभेड़-2
13. सतरंगा,शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक,एकमात्र-3
15. हवस,कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर,विष-3
21. आनंदित,मनमौजी-2
22. मुनि,साधू-2
23. अच्छाई,सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा,कीट-2

शब्द पहेली -8061 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल - समाचार

अभिषेक के शतक पर युवराज.....यह बस शुरुआत

हरारे (ईएमएस)। आईपीएल में धमाल मचा चुके युवा ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा इन दिनों खूब चर्चा में हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ डेब्यू मैच में उनके शून्य पर आउट होने के बाद आलोचनाएं भी हुईं, लेकिन अगले ही मैच में तूफानी शतक जड़कर उन्होंने अपनी काबिलियत साबित कर दी।

अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 46 गेंदों में शतक जड़ दिया। अभिषेक के अलावा, ऋतुराज गायकवाड़ ने नाबाद 77 रन बनाए। जबकि रिंकू सिंह ने 22 गेंदों पर नाबाद 48 रनों की पारी खेली, जिससे भारत ने 20 ओवर में 234/2 का विशाल स्कोर बनाया।

प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए अभिषेक ने अपने परिवार और युवराज को वीडियो कॉल किया। युवराज उनके प्रदर्शन से खुश थे और उन्होंने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी। युवी ने कहा कि यह बस शुरुआत है। अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। अभिषेक के साथ वीडियो कॉल पर युवराज ने कहा, बहुत बढ़िया, बहुत गर्व है। आप इसके हकदार थे। अभी और भी बहुत कुछ होना बाकी है, यह बस शुरुआत है।

अभिषेक ने कहा, मैंने पहले मैच के बाद युवी पाजी को फोन किया था और मुझे नहीं पता कि क्यों, लेकिन वह बहुत खुश थे, उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है। मुझे लगता है कि मेरी शतकीय पारी से उन्हें भी गर्व होना चाहिए, ठीक मेरे परिवार की तरह। इसलिए मैं वास्तव में खुश हूं, उन्होंने मुझ पर जो कड़ी मेहनत की है और यह सब उनकी वजह से है। 2-3 सालों से, वह मेरे लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं और सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी। इसलिए, यह एक बड़ा पल है।

रोहित एकदिवसीय और टी20 में कप्तान बने रहेंगे : जय शाह

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि रोहित शर्मा एकदिवसीय और टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करते रहेंगे। शाह के अनुसार रोहित की कप्तानी में टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी भी जीतेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा, 'अगला चरण डब्ल्यूटीसी फाइनल और चैंपियंस ट्रॉफी है। मुझे भरोसा है कि रोहित की कप्तानी में टीम इन दोनो ही टूर्नामेंटों में जीतेगी।'

चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल पाकिस्तान में खेली जाने वाली है। पाक क्रिकेट बोर्ड ने इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम का मसौदा आईसीसी को सौंप दिया है हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक उसके लिए अपनी सहमति नहीं दी है। भारतीय टीम के पाक जाने की संभावनाएं नहीं हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने इसमे भी एशिया कप की तरह ही 'हाईब्रिड मॉडल' लागू करने की बात कही है। एशिया कप में भारतीय टी ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे।

माना जा रहा है कि रोहित तब तक एकदिवसीय और टेस्ट में कप्तानी करते रहेंगे। जब तक कप्तानी का कोई दावेदार नहीं मिलता। तक भारत को एक बार फिर अलग-अलग प्रारूपों में दो कप्तान देखने को मिलेंगे। रोहित एकदिवसीय और टेस्ट में कप्तानी करते रहेंगे जबकि हार्दिक पंडया का टी20 प्रारूप में कप्तान बनना तय है। शाह ने टी20 विश्व कप में भारत की जीत को खिताब हासिल करने के बाद संन्यास लेने वाले तीन क्रिकेटरों और निवर्तमान कोच राहुल द्रविड़ को समर्पित किया। उन्होंने कहा, 'मैं इस जीत को कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा को समर्पित करना चाहता हूं।

अभिषेक सबसे तेज शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने, केएल राहुल की बराबरी पर आये

हरारे (ईएमएस)। जिम्बाब्वे दौरे पर गयी भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दूसरे टी20 मुकाबले में 46 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। इसी के साथ ही अभिषेक ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में संयुक्त रुप से तीसरा सबसे तेज शतक लगाया है। अभिषेक ने 7 चौके और 7 छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। वह शतक पूरा करने के बाद मस्कादजा की गेंद पर आउट हुए। भारतीय टीम की जीत में अभिषेक के शतक की अहम भूमिका रही।

भारत की ओर से टी20 में सबसे तेज शतक रोहित शर्मा ने साल 2017 में 35 गेंदों पर बनाया था। वहीं दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्यकुमार ने साल 2023 में श्रीलंका के खिलाफ 45 गेंदों पर ही शतक लगा दिया गया है। वहीं केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ साल 2016 में 46 गेंदों पर ही शतक दगा दिया था।

अभिषेक ने एक ही मैच में बनाये कई रिकार्ड

हरारे (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 46 गेंदों पर ही शतक लगाकर अपने नाम कई रिकार्ड किये हैं। पहले मैच में शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक ने दूसरे मैच में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 100 रन बना दिये। अभिषेक की इस पारी को प्रशंसक हमेशा याद रखेंगे। इसी के साथ ही वह भारतीय टीम की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले शीर्ष-3 बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ छक्के से पारी शुरु की। शुरुआत में वह संयम से खेल पर एक बार जो आक्रमण शुरु किया तो करते चले गये। अभिषेक ने इसके साथ ही एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, अब तक किसी बल्लेबाज के नाम नहीं है। वह विश्व के पहले ऐसे बल्लेबाज बन गये हैं। जिन्होंने पारी की शुरुआत छक्के के साथ की और शतक भी छक्के से ही बनाया। अभिषेक ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शतक जमाया है। टीम प्रबंधन ने ऋतुराज गायकवाड़ की जगह उन्हें पारी शुरु करने के लिए भेजा गया जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन अभिषेक को सलामी बल्लेबाज के तौर पर आगे बढ़ाना चाहता है क्योंकि रोहित शर्मा ने टी20 से संन्यास ले लिया है। ऐसे में अब उनकी सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह तय नजर आ रही है।

बारिश की भेंट चढ़ा भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरा टी20 महिला क्रिकेट मैच

चेन्नई (ईएमएस)। बारिश के कारण यहां भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीमों के बीच दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच रद्द हो गया है। इसी के साथ ही भारतीय टीम की सीरीज में वापसी की उम्मीदें समाप्त हो गयी हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने सीरीज का पहला मैच 12 रन से जीता था और इस तरह से वह 3 मैच की सीरीज में 1-0 से आगे है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तेजमिन ब्रिट्स के दूसरे अर्धशतक से 6 विकेट पर 177 रन बनाये।

इसके बाद बारिश के कारण भारतीय टीम की बल्लेबाजी नहीं हो पायी। अंपायरों ने आंखिरकार मेच रद्द कर दिया। वहीं इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम की ओर से ब्रिट्स ने 6 चौके और एक छक्का तेजी से 52 रन बनाए जबकि अन्नेका बोश ने 6 चौकों की सहायता से 40 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने 2 जबकि पूजा वस्त्राकर ने भी इतने ही विकेट लिए। ऑफ स्पिनर सजीवन सजना ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका की जीत की नायिका रही ब्रिट्स को

भारतीय महिला फुटबॉल टीम 9 और 12 जुलाई को म्यांमार से खेलेगी मैत्री मैच

23 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम म्यांमार के खिलाफ 9 और 12 जुलाई को दो मैत्री मैच खेलेगी। इसके लिए 23 सदस्यीय भारतीय महिला फुटबॉल टीम घोषित कर दी गयी है। भारतीय टीम की मुख्य कोच चाओबा देवी ने कहा है कि इस टीम में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण है। साथ ही कहा कि टीम का संयोजन अच्छा है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने उज्बेकिस्तान के साथ खेलने के बाद हमने 10 दिनों के अंदर ही अपना राष्ट्रीय अभ्यास शिविर शुरू कर दिया था जिसका भी लाभ हमें मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सभी खिलाड़ी फिट हैं जो हमारे लिए एक अच्छा संकेत है। ये सभी खिलाड़ी अब तक अपने-अपने क्लबों में अभ्यास कर रही थीं। ''

भारतीय महिला फुटबॉल टीम उज्बेकिस्तान दौरे में एक मैच में 0-3 से हार गयी थी जबकि दूसरे मैच में मुकाबला बराबरी पर रहा था।

भारतीय टीम इस प्रकार हैः गोलकीपरः श्रेया हुड्डा, एलंगबाम पंथोई चानू, मैबाम लिनथोइंगम्बी देवी। डिफेंडरः लोइटोंगबाम आशालता देवी, हेमम शिल्की देवी, संजू, वांगखेम लिनथोइंगम्बी देवी, अरुणा बाग। मिडफील्डरः नाओरेम प्रियंगका देवी, संगीता बसफोर, कार्तिका अंगमुथु, नेहा, नोंगमाईथेम रतनबाला देवी, मौसमी मुर्मू। फॉरवर्डः काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा, अंजू तमांग, सौम्या गुगुलोथ, संध्या रंगनाथन, करिश्मा पुरुषोत्तम शिरवोइकर, लिंडा कोम सेर्टो, प्यारी खाका, ज्योति, रिम्पा हलधर।

लोकलुभावन नहीं......राजकोषीय मजबूती वाला होगा मोदी सरकार का बजट ग्लोबल इंवेस्टमेंट बैंकिंग फर्म का अनुमान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में मोदी सरकार 3.0 के बजट का इंतजार खत्म होने वाला है। महज दो सप्ताह में (23 जुलाई को) भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में पूर्ण बजट पेश करने जा रही हैं। इस बीच, ग्लोबल इंवेस्टमेंट बैंकिंग फर्म गोल्डमैन सैक्स का बयान आया है। फर्म के जानकारों ने हालिया नोट में कहा कि आने वाला बजट राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर चलने वाला होगा।

वित्त मंत्री मोदी 3.0 बजट मामूली प्रोत्साहन उपायों के बजाय व्यापक आर्थिक एजेंडे पर ध्यान केंद्रित रहेगा। गोल्डमैन सैक्स का कहना है कि सार्वजनिक कर्ज की अधिकता को देखते हुए, अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए सीमित राजकोषीय धन है। इसके अलावा, भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड ने लॉन्ग टर्म पॉजिटिव ग्रोथ को बढ़ावा दिया है, जिसे नीति निर्माता छोड़ना नहीं चाहते है।

गोल्डमैन सैक्स के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख अर्थशास्त्री ने कहा है, 'मोदी सरकार अगले कई वर्षों में दीर्घकालिक आर्थिक नीति विजन के बारे में बड़ा बयान देने के लिए बजट का उपयोग करेगी, न कि छोटे प्रोत्साहन घोषणाओं के लिए। ये सरकार की 2047 के विकास एजेंडे के साथ जुड़ी होने की संभावना है (जो भारतीय स्वतंत्रता की सौ साल पूरे होने के साथ मेल खाता है)। मोदी सरकार वित्त वर्ष 2025 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.1 प्रतिशत (या उससे भी कम) का राजकोषीय घाटा लक्ष्य बनाए रखेगी और वित्त वर्ष 2026 तक जीडीपी का 4.5 प्रतिशत से कम के घाटे की घोषणा करेगी।

उन्होंने कहा, भले ही हम कल्याणकारी योजनाओं के लिए कुछ खर्च का आवंटन देखते हैं, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से उम्मीद से अधिक डिविडेंड ट्रांसफर के होने से पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) में कटौती की जरूरत नहीं हो सकती है। अगर सरकार हमारे आधार पर इनकम टैक्स पॉलिसी में बदलाव करना चुनती है काल्पनिक परिदृश्यों के आकलन से, सरकार का राजस्व घाटा जीडीपी का लगभग 5-15 बेसिस पॉइंट होने की संभावना है, जबकि राजकोषीय खर्च में वित्त वर्ष 2025 में 2-7 बेसिस पॉइंट के आसपास रहेगा। श्रम द्वारा मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से रोजगार सृजन, एमएसएमई के लिए लोन, जीसीसी का विस्तार करके सेवाओं के निर्यात पर लगातार फोकस, और कीमत अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए घरेलू खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और इन्वेंटरी मैनेजमेंट पर जोर, कुछ क्षेत्र हैं जिन पर निर्मला सीतारमण का मोदी 3.0 बजट ध्यान केंद्रित करने की संभावना है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई और दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 36.22 अंक नीचे आकर की 79,960.38 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 3 अंक फिसलकर 24,321 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन के शेयर सबसे ज्यादा 3.54 फीसदी गिरे। वहीं इसके अलावा पोट्‌र्स, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू, स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, एचडीएफ़सी बैंक के शेयर भी टूटे।

वहीं दूसरी ओर आईटीसी का शेयर आज 2.27 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। साथ ही हिन्दुतान युनीलवर, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस के शेयर भी लाभ में रहे।

आज बाजार में आई गिरावट का कारण निवेशकों की मुनाफावसूली रही। इसके अलावा एशिया के अन्य बाजारों में गिरावट से भी घरेलू बाजार पर दबाव आया।

एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आये जबकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार में तेजी रही जबकि शुक्रवार को अमेरिकी बाजार लाभ में रहे थे।

इससे पहले आज सुबह

बाजार की शुरुआत ?गिरावट के साथ हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स करीब 200 अंकों की गिरावट के साथ 79,915 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 मामूली बढ़त के साथ 24,329.45 के लेवल पर खुला। हालांकि कुछ ही देर में इसमें भी गिरावट आ गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में काफी हलचल देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स में आज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ खुलने वाले शेयरों में शीर्ष पर टाटा मोटर्स के शेयर रहे। टाटा ग्रुप की ऑटो कंपनी के शेयर 1 फीसदी से ज्यादा की उछाल के साथ खुले। इसके अलावा, टॉप गेनर्स की लिस्ट में हिंदुस्तान यूनिलिवर, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, लॉर्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा के शेयर रहे।

सोना गिरकर 73 हजार, चांदी भी 93,250 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में सप्ताह के पहले कारोबारी ?दिन सोमवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट आज 13 रुपये की गिरावट के साथ 73,038 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 86 रुपये की गिरावट के साथ 72,965 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 259 रुपये की गिरावट के साथ 93,295 रुपये पर खुला। इस समय यह 284 रुपये की गिरावट के साथ 93,270 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,396.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,397.70 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 6.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,391.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.47 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.68 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.33 डॉलर की गिरावट के साथ 30.35 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कोटक महिंद्रा बैंक जांच में जुटा, क्या किंगडन कैपिटल ने हिंडनबर्ग को गुमराह किया

मुंबई (ईएमएस)। कोटक महिंद्रा बैंक जांच कर रहा है कि क्या उसे किंगडन कैपिटल द्वारा हिंडनबर्ग रिसर्च के संबंध में गुमराह किया गया था? हिंडनबर्ग ने अडानी समूह पर कॉर्पोरेट गवर्नेंस की खामियों और बाजार में हेरफेर का आरोप लगाया था। कोटक महिंद्रा बैंक को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से किंगडन के लिए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लाइसेंस की सुविधा के लिए एक कारण बताओ नोटिस मिला है। सेबी के नोटिस के बाद कोटक महिंद्रा बैंक ने जांच शुरू की है कि क्या किंगडन द्वारा की गई घोषणाएं भ्रामक थीं या नहीं। किंगडन ने दावा किया था कि अडानी समूह की संस्थाओं में उसके सभी ट्रेड प्रिंसिपल ट्रेड्स थे, जो वर्तमान नियमों के तहत स्वीकृत हैं।

हालांकि, सेबी की जांच में सामने आया कि किंगडन का हिंडनबर्ग के साथ लाभ साझा करने का समझौता था, जिससे यह संकेत मिलता है कि ये ट्रेड हिंडनबर्ग के लिए हो सकते हैं, जोकि नियमों का उल्लंघन है। कोटक इन निष्कर्षों के आधार पर कानूनी कार्रवाई पर विचार कर रहा है। सेबी के शो-कॉज नोटिस के अनुसार, किंगडन ने कोटक की सहायक कंपनी द्वारा बनाए गए एफपीआई लाइसेंस का उपयोग करके अडानी एंटरप्राइजेज में शॉर्ट पोजिशन ली। किंगडन ने कोटक को अपने हिंडनबर्ग के संबंध का खुलासा नहीं किया, और दावा किया कि ये ट्रेड प्रिंसिपल ट्रेड थे।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि वह संभावित मुकदमेबाजी मध्यस्थता या न्यायालय की प्रक्रियाओं में शामिल हो सकती है, यह इस पर निर्भर करता है कि मामला कान्ट्रैक्चुअल था या धोखाधड़ी का। कोटक भारत या अमेरिका में मामला दर्ज कर सकता है, और क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है।

पीएफ अकाउंट में 23 जुलाई के बाद आएगा ब्याज का पैसा!

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की तरफ से फरवरी 2024 में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रॉविडेंट फंड पर लगने वाली ब्याज दर को बढ़ाने की घोषणा की गई थी। ईपीएफओ ने पिछले साल की 8.15 फीसदी की ब्याज दर को 2023-24 के लिए बढ़ाकर 8.25 फीसदी कर दिया है, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से ?वित्त वर्ष 2023-24 का ब्याज नहीं दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार की तरफ से ईपीएफ पर मिलने वाला ब्याज बजट 23 जुलाई के बाद ट्रांसफर किया जा सकता है। बता दें कि कुछ दिनों पहले ईपीएफ के सदस्यों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्याज लेकर सवाल पूछा गया था, जिसपर ईपीएफओ ने कहा था कि ब्याज जमा करने की प्रक्रिया जारी है। बहुत जल्द खाताधारकों के अकाउंट में ब्याज जमा किया जाएगा। ?वित्त वर्ष पीआईबी के मुताबिक ईपीएफ बोर्ड ने सदस्यों के खातों में पिछले साल 1.07 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड राशि बांटने की सिफारिश की थी।

दिल्ली और मुंबई में पांच साल में 49 फीसदी महंगे हुए घर

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) और मुंबई में बीते पांच सालों में घरों की कीमतों में भारी उछाल देखा गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते पांच सालों में नेशनल कैपिटल रीजन में औसत आवासीय घरों की कीमतों में 49 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस दौरान घरों की कीमत 4,565 रुपये प्रति वर्ग फीट से बढ़कर 6,800 रुपये प्रति वर्ग फीट हो गई है। वहीं मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में बीते पांच साल में घरों कीमतों में 48 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

सॅाल 2019 की पहली छमाही में 10,610 रुपये प्रति वर्ग फुट से 2024 की पहली छमाही में 15,650 रुपये प्रति वर्ग फुट तक हो गई है। एनारॉक ग्रुप के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि कोरोना महामारी नेशनल कैपिटल रीजन के लिए एक आशीर्वाद थी। एनसीआर ने पिछले पांच साल में अपने अनसोल्ड स्टॉक में 52 प्रतिशत से ज्यादा की कमजोरी दर्ज की है। साल 2019 में एनसीआर का अनसोल्ड स्टॉक लगभग 1.82 लाख यूनिट्स था, जो 2024 में घटकर 86,900 यूनिट्स तक पहुंच गया है। राजधानी दिल्ली और उससे सटे इलाके और मुंबई में आवासीय घरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण की बात करें तो, इसमें निर्माण लागत में बढ़ोतरी और अच्छी ब्रिकी है। डीएलएफ लिमिटेड के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि कोविड-19 महामारी इन दो आवासीय बाज़ारों के लिए वरदान साबित हुई, जिससे मांग नए स्तर पर पहुंच गई। शुरुआत में डेवलपर्स ने ऑफ़र और फ्री चीजों के साथ बिक्री को बढ़ावा दिया लेकिन मांग बढ़ने के साथ उन्होंने धीरे-धीरे औसत कीमतों में इजाफा कर दिया।

बोइंग ने फ्रॉड के आरोप कबूले

2 क्रैश, 346 लोगों की मौत के बावजूद सेफ्टी का ध्यान नहीं रखा; 4 हजार करोड़ रुपए जुर्माना लगा

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका की विमान कंपनी बोइंग को फ्रॉड के आरोप में दोषी पाया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने पाया कि बोइंग ने 2018-2019 में हुए 2 क्रैश के बाद कंपनी को सुधारने के लिए की गई डील का उल्लंघन किया है। बोइंग ने इसे लेकर 243.6 मिलियन डॉलर यानी 4 हजार करोड़ रुपए का जुर्माना भरने पर सहमति जताई है। इसके अलावा कंपनी अगले 3 साल तक विमानों की सेफ्टी पर 4 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी।

दरअसल, 2018 और 2019 में पांच महीने के अंदर इंडोनेशिया और इथोपिया में बोइंग कंपनी के 737 मैक्स विमान क्रैश हो गए थे। इन हादसों में 346 लोगों की जानें गई थीं। इसके बाद कई तरह की जांच का सिलसिला शुरू हुआ। जांच में विमान में कई तरह की गड़बड़ी सामने आई। कंपनी को मृतकों के परिजनों से मुलाकात करने को भी कहा गया है। बोइंग तीन साल के लिए कोर्ट की निगरानी में रहेगी। कोर्ट के मेंबर्स फ्लाइट में सुरक्षा को जांचेंगे और इसकी एक रिपोर्ट सालाना सरकार को देंगे। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो कंपनी पर जुर्माना लगाया जाएगा।

फ्रांस में त्रिशंकु संसद के आसार....किसी को बहुमत नहीं

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस में हुए संसदीय चुनाव में वामपंथी गठबंधन ने धुर-दक्षिणपंथी दलों को शिकस्त देकर सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। हालांकि, वह बहुमत हासिल करने में नाकाम रहा, जिससे देश में त्रिशंकु संसद की आशंका बढ़ गई है। फ्रांस में राजनीतिक उथल-पुथल से अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है और यूक्रेन में युद्ध, वैश्विक कूटनीति तथा यूरोप की आर्थिक स्थिरता पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में नौ जून को बड़ी हार मिलने के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने समय से पहले संसद भंग कर बड़ा दांव खेला था।

उन्होंने कहा था कि फिर मतदाताओं के बीच जाने से स्थिति 'स्पष्ट' होगी। हालांकि, उनका यह दांव लगभग हर पड़ाव पर उल्टा पड़ता दिखा है। आधिकारिक नतीजों के मुताबिक, संसदीय चुनाव में तीनों प्रमुख गठबंधन में से कोई भी 577 सदस्यीय नेशनल असेंबली में बहुमत के लिए जरूरी 289 सीटों का जादुई आंकड़ा नहीं छू सका। नतीजों के अनुसार, वामपंथी गठबंधन 'न्यू पॉपुलर फ्रंट' 180 से अधिक सीटों पर जीत हासिल हुई, जबकि मैक्रों नीत मध्यमार्गी गठबंधन के खाते में 160 से ज्यादा सीटें गईं और वह दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, मरीन ले पेन के नेतृत्व वाली धुर-दक्षिणपंथी पार्टी 'नेशनल रैली' और उसके सहयोगी दलों को 140 से अधिक सीटों पर जीत के साथ तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

हालांकि, 'नेशनल रैली' का यह प्रदर्शन 2022 के उसके प्रदर्शन से कहीं बेहतर है, जब पार्टी को 89 सीटें हासिल हुई थीं। प्रधानमंत्री गैब्रियल अटल ने कहा, हमारा देश एक अभूतपूर्व राजनीतिक स्थिति का सामना कर रहा है। वह अगले कुछ हफ्तों में दुनिया का स्वागत करने की तैयारियों में जुटा है।

तीसरे टी20 मे अभिषेक की जगह मिल सकता है सैमसन को अवसर

हरारे (ईएमएस)। आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले तीसरे टी20 मुकाबले में शायद ही जगह मिले। इसका कारण ये है कि उनकी जगह इस मैच में संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। सैमसन को भी अन्य दो खिलाड़ियों के साथ जिम्बाब्वे दौरे के लिए शामिल किया गया था पर बारबोडोस में आये तूफान के कारण विश्वकप से भारतीय टीम की वापसी में देरी हुई थी। ऐसे में सैमसन सहित दो खिलाड़ियों को पहले दो टी20 के लिए शामिल नहीं किया गया था पर अब तीसरे टी20 से उन्हें जगह मिल सकती है।

अभिषेक को जगह नहीं मिलने की अटकलों से सभी हैरान हैं क्योंकि उन्होने दूसरे टी20 में आक्रामक पारी खेलते हुए 46 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। अभिषेक ने कप्तान शुभमन के पावरप्ले में आउट होने के बाद तेजी से रन बनाकर भारतीय टीम को एक बड़े स्कोर तक पहुंचाया था। इसी कारण भारतीय टीम इस मैच में जीती थी।

कप्तान शुभमन ने भी टीम की जीत का श्रेय अभिषेक और रुतुराज गायकवाड़ की साझेदारी को दिया है। अभिषेक के अलावा गायकवाड़ ने 77 रन बनाये थे। जिससे भारतीय टीम ने 20 ओवरों में दो विकेट पर 234 रन बनाये थे। शुभमन ने कहा कि अभिषेक और रुतुराज ने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह आसान नहीं था, क्योंकि गेंद इधर-उधर घूम रही थी। वहीं माना जा रहा है कि सैमसन के आने से भारतीय टीम को लाभ होगा। उन्हें सीरीज के बचे हुए मैचों में जगह मिल सकती है। सैमसन, के अलावा यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को भी बचे हुए तीन मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। ऐसे में अगर यशस्वी भी अवसर मिलता है तो किसी अन्य खिलाड़ी को बाहर बैठना पड़ेगा।

किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलों से किया हमला.....20 लोगों की मौत

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूसी सेना ने सोमवार को यूक्रेनी ठिकानों पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। कीव शहर के विभिन्न हिस्सों से धुआं उठता देखा गया। यूक्रेन के आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि इस रूसी हमले में 20 लोगों की मौत हुई, और लगभग 50 लोग घायल हैं।

वायुसेना ने बताया कि हमले में किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया, जो कि रूस के सबसे उन्नत हथियारों में से एक है। किंजल ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक गति से उड़ता है, इस रोकना मुश्किल हो जाता है। रूसी मिसाइल हमले ने कीव के बच्चों के अस्पताल को निशाना बनाया है और अधिकारियों का कहना है कि वे क्षति का आकलन कर रहे हैं।

कीव प्रशासन ने बताया कि कीव के सोलोमिंस्की, दि्नप्रोव्स्की और होलोसिव्स्की जिलों में संभवतः मिसाइलों के गिरने से मलबा गिर गया, जिससे आग लग गई। कीव के कई इलाकों से धुआं उठ रहा था।

लो फिर आया बाइडेन का वीडियो.....किस तरह ट्रंप के सामने भीगी बिल्ली साबित हो रहे

वाशिंगटन (ईएमएस)। जो बाइडन राष्ट्रपति चुनाव से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। उन्होंने अंगद के पैर की तरह ही अपनी दावेदारी ठोक दी है। हालांकि राष्ट्रपति चुनाव से पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई डिबेट में वे बिल्कुल भीगी बिल्ली साबित हुए। राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप वार पर वार कर रहे, लेकिन बाइडन का उनके पास कोई जवाब नहीं था। बाइडन ने ट्रंप को जो जवाब दिए, उन्होंने बतौर राष्ट्रपति उनकी योग्यता पर ही सवाल उठा दिया। अब सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी के करीब पांच सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से जो बाइडन को बाहर करने की उठा दी है। इस बीच बाइडन का एक वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है, वीडियो देखकर आप समझ जाएंगे कि बाइडन के खिलाफ क्यों इस तरह की आवाजें बुलंद हो रही हैं।

यह वीडियो फिलाडेल्फिया के चर्च का है, जहां बाइडन अपने चुनाव अभियान के तहत पहुंचे थे। हालांकि इस दौरान उन्हें एक अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। वीडियो में देख सकते है कि चर्च में पादरी ने सभी लोगों से खड़े होने को कहते, लेकिन बाइडन वहीं बैठे रह गए। इस दौरान बाइडन बेहद गुमसुम और बदहवास दिख रहे हैं। उनकी नजर बाई तरफ कहीं टिकी थी। हालांकि यह साफ नहीं कि वह क्या देख रहे थे। इसके थोड़ी देर बाद वह धीरे-धीरे अपनी सीट से उठकर खड़े होते हैं।

यह वीडियो वायरल होने के साथ अमेरिका सहित दुनियाभर में चर्चा में आ गया है। कई लोग ये साफ मान रहे हैं कि बाइडन राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप का मुकाबला करने के लिए बिल्कुल भी काबिल नहीं। इस बीच बाइडन की लोकप्रियता रेटिंग में भी गिरावट आई है और उनकी अपनी पार्टी के ही साथियों ने उनके सेहत पर सवाल उठाते हुए कहना शुरू कर दिया है कि उनमें अगले चार सालों तक शासन करने की क्षमता ही नहीं है।

श्रीलंका में जल्द होगा राष्ट्रपति चुनाव की तारीखों का एलान!

कोलंबो (ईएमएस)। साल 2024 के अंत में श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले है। चुनाव आयोग ने संकेत दिया है कि चुनाव 17 सिंतबर से 16 अक्टूबर के बीच हो सकते है। श्रीलंका के चुनाव आयोग ने कहा कि वह इस महीने के अंत से पहले अगले राष्ट्रपति चुनाव की तारीख की घोषणा करेगा।

इस साल के अंत में होने वाले चुनाव को स्थगित करने की मांग वाली याचिका श्रीलंका सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गई है। हालांकि, श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के कार्यकाल पर स्पष्टीकरण नहीं मिलने तक इस याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया है। पांच सदस्यीय पीठ ने अटॉर्नी जनरल की दलीलों के आधार पर आगे बढ़ने की अनुमति दिए बिना ही याचिका को जुर्माने के साथ खारिज कर दिया।

कैलिफोर्निया में भीषण गर्मी में पारा 53 पार, एक पर्यटक की मौत

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भीषण गर्मी से भारत में तो लोगों को राहत मिल गई है क्योंकि यहां मानसून पूरे देश में आ चुका है। वहीं अमेरिका में कैलिफोर्निया के डेथ वैली नेशनल पार्क में रविवार को तापमान 53.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इस भीषण गर्मी से वहां एक पर्यटक की मौत हो गई, जबकि एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्क प्रबंधन ने एक बयान जारी कर बताया कि दोनों पर्यटक एक समूह का हिस्सा थे, जो मोटरसाइकिल से बैडवाटर बेसिन क्षेत्र से जा रहे थे वह भीषण गर्मी की चपेट में आ गए जिससे एक की मौत हो गई । मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

दूसरे मोटरसाइकिल चालक भीषण गर्मी के कारण बेहोश हो गया उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समूह के चार अन्य सदस्यों का मौके ही इलाज किया गया। इस साल अमेरिका में भीषण गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। लोगों का जीना मुहाल हो गया है।

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को दिया निर्देश मासिक धर्म अवकाश को लेकर एक आदर्श मॉडल तैयार करें

नई दिल्ली(ईएमएस)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श कर महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश पर एक मॉडल नीति तैयार करे। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा नीति से संबंधित है और अदालतों के विचार करने के लिए नहीं है।

पीठ ने कहा कि इसके अलावा, महिलाओं को ऐसी छुट्टी देने के संबंध में अदालत का निर्णय प्रतिकूल और हानिकारक साबित हो सकता है, क्योंकि नियोक्ता उन्हें काम पर रखने से परहेज कर सकते हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि इस तरह की छुट्टी अधिक महिलाओं को कार्यबल का हिस्सा बनने के लिए कैसे प्रोत्साहित करेगी। उसने कहा कि इस तरह की छुट्टी अनिवार्य करने से महिलाएं कार्यबल से दूर हो जाएंगी।...हम ऐसा नहीं चाहते।

पीठ ने कहा, यह वास्तव में एक सरकारी नीतिगत मुद्दा है अदालतों के विचार करने के लिए नहीं है। उसने कहा, याचिकाकर्ता का कहना है कि मई 2023 में केंद्र को एक अभ्यावेदन सौंपा गया था। चूंकि, मुद्दा सरकारी नीति के विविध उद्देश्यों को उठाता है, इसलिए इस अदालत के पास हमारे पिछले आदेश के आलोक में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है। हालांकि, पीठ ने याचिकाकर्ता और वकील शैलेंद्र त्रिपाठी की तरफ से पेश वकील राकेश खन्ना को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव तथा अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के पास जाने की अनुमति दे दी।

पीठ ने निर्देश दिया, हम सचिव से अनुरोध करते हैं कि वह इस मामले पर नीतिगत स्तर पर विचार करें और सभी हितधारकों से परामर्श करने के बाद निर्णय लें तथा देखें कि क्या एक मॉडल नीति बनाई जा सकती है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि अगर राज्य इस संबंध में कोई कदम उठाते हैं, तो केंद्र की परामर्श प्रक्रिया उनके रास्ते में नहीं आएगी। न्यायालय ने इससे पहले देशभर में छात्राओं और कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश देने का अनुरोध करने वाली याचिका का निपटारा कर दिया था। शीर्ष अदालत ने तब कहा था कि चूंकि, यह मुद्दा नीतिगत है, इसलिए केंद्र को एक अभ्यावेदन सौंपा जा सकता है। वरिष्ठ वकील ने कहा कि अभी तक केंद्र की ओर से कोई फैसला नहीं लिया गया है।

आम आदमी को झटका!

सीएनजी -पीएनजी के बढ़े दाम

मुंबईः दिल्ली के बाद में मुंबई में सीएनजीके दाम 1.50 रुपए प्रति किलो बढ़ गएहैं। जबकि पाइप के जरिए रसोई में पहुंचने वाली गैस यानी पीएनजी की कीमत एक रुपए बढ़ गई है। मुख्य रूप सेकच्चे माल की लागत बढ़ने से दाम बढ़ाए गए हैं। मुंबई और आसपास के शहरों में वाहनों के लिए सीएनजी और घरों में पाइप के जरिये खाना पकाने की गैस उपलब्धकराने वाली महानगर गैस लि. (एमजीएल)ने कहाकि बढ़ी हुई कीमतें आठ जुलाई की मध्यरात्रि से लागू होंगी। कंपनी ने बयान में कहा,''सीएनजी और पीएनजी की बढ़ती मात्रा को पूरा करनेऔर घरेलू गैस आवंटन में कमी के कारण, एमजीएल अतिरिक्त बाजार मूल्य पर प्राकृतिक गैस ले रही है।

मानसून में लाल आतंक होगा पूरी तरह खत्म!

-इजराइली ड्रोन 200 दायरे में छिपे माओवादियों को खोज-खोज कर दबोचेगा

रायपुर(ईएमएस)। मानसूनी सीजन में फोर्स के जवानों को इजराइल का हैरोन अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) ड्रोन की मदद से मूवमेंट कराया जा रहा है। इसकी मदद से 200 किमी के दायरे में नजर रखी जा रही है। बारिश के दौरान जंगल के अंदरूनी इलाकों की विषम परिस्थितियों को देखते हुए यह मददगार साबित हो रहा है। जगदलपुर स्थित राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ) के जरिए जानकारी जुटाई जा रही है। इसकी रिपोर्ट के आधार पर फोर्स को संबंधित स्थानों में भेजकर ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

बताया जाता है कि बस्तर में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए आसमान से नजर रखी जा रही है। रात के समय नक्सलियों के मूवमेंट और उनके ठिकानों को चिन्हांकित करने की क्षमता होने के कारण इसका उपयोग किया जा रहा है। नक्सल आपरेशन से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि सीधे टारगेट पॉइंट को कवर करने में काफी मदद मिल रही है। नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने में योजना में कारगार साबित हो रहा है। बता दें कि पहले यह ड्रोन को दुर्ग-भिलाई के नंदनी स्थित सेंटर से उड़ान भरता था। इसके बाद में जगदलपुर शिफ्ट किया गया था। इसकी उपयोगिता को देखते हुए जम्मू और कश्मीर में पत्थरबाजी एवं आतंकवादियों से निपटने के लिए कश्मीर ले जाया गया था।

15000 फीट की ऊंचाई से निगहबानी

रिमोट से उड़ान भरने वाला ईंधन चलित अत्याधिक ड्रोन एक बार में 8-10 घंटे तक उड़ान भर सकता है। वहीं करीब 1000-15000 फीट की उचांई से जंगल के अंदर की गतिविधियों को देख सकता है। इससे मिले इमेज और फ्रीक्वेंसी को कैप्चर करने के बाद नक्शे से संबंधित इलाके चिन्हांकित किए जा रहे हैं। सटीक जानकारी देने की क्षमता को देखते हुए राज्य के बार्डर और इसके आसपास के इलाकों को कवर किया जा रहा है। बताया जाता है कि उत्तर और दक्षिण बस्तर में नक्सलियों की गतिविधियों को देखते हुए इसका उपयोग किया जा रहा है।

इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन

नक्सलियों का सफाया करने के लिए रणनीति के तहत इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। इसके लिए यूएवी से साथ ही स्थानीय इंटेलिजेंस की टीम से मिले इनपुट के आधार पर फोर्स अभियान चला रही है। बता दें कि राज्य में भाजपा सरकार के आने के बाद लगातार चलाए जा रहे आक्रमक ऑपरेशन से नक्सली बैकफुट पर आ गए हैं।

जरूरत के अनुसार ऑपरेशन

नक्सलियों के खिलाफ बारिश में भी लगातार ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसके लिए विभाग के पास उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। यहां एक चार्ट दिया गया है जिसमें जनवरी 2024 से 6 जुलाई 2024 तक बसर में नक्सलियों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा इस्तेमाल किए गए तरीकों को दिखाया गया है। चार्ट में निगरानी अभियान, खुफिया जानकारी जुटाना, गश्त और मुठभेड़ सहित विभिन्न तरीकों से हर महीने किए गए ऑपरेशनों की संख्या दिखाई गई है।

ईरान का मिसाइलों और रडार से लैस वॉरशिप डूबा

-इसे बनाने में लगे थे छह साल, दिसंबर 2018 में समुद्र में उतारा था

तेहरान,(ईएमएस)। ईरानी नौसेना का एक वॉरशिप उस समय डूब गया जब उसकी होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट एक बंदरगाह पर मरम्मत का काम चल रहा था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मरम्मत के दौरान वॉरशिप का संतुलन उस समय बिगड़ गया जब वॉरशिप के कई टैंक में पानी घुस गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पानी की गहराई कम होने से वॉरशिप को दोबारा संतुलित स्थिति में लाना संभव है। इस घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सहंद वॉरशिप का नाम उत्तरी ईरान के एक पहाड़ के नाम पर रखा गया है। इस वॉरशिप को बनाने में छह साल लगे और दिसंबर 2018 में फारस की खाड़ी में इसे समुद्र में उतारा गया था।

1300 टन वजनी सहंत वॉरशिप सतह से सतह और हवा में मार करने वाली मिसाइलों, विमान भेदी बैटरियों और परिष्कृत रडार और रडार से बचने की क्षमताओं से लैस था। इसके पहले जनवरी 2018 में एक नौसैनिक विध्वंसक 'दमावंद' दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद कैस्पियन सागर में डूब गया था।

यह पहली बार नहीं है जब ईरान का कोई वॉरशिप डूबा है। जनवरी 2018 में कैस्पियन सागर में एक नौसैनिक विध्वंसक 'दमावंद' के साथ भी ऐसा ही हुआ था, जब वह ब्रेकवाटर में दुर्घटनाग्रस्त होकर डूब गया था। ईरानी मीडिया के मुताबिक जून 2021 में, एक और युद्धपोत 'खर्ग' ओमान की खाड़ी में आग लगने के बाद डूब गया था।

इंडोनेशिया में अवैध सोने की खदान में भूस्खलन से 11 की मौत, कई दबे

जकार्ता,(ईएमएस)। इंडोनेशिया में मूसलाधार बारिश के कारण सोने की एक अवैध खदान में भूस्खलन होने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है जिस समय यह घटना घटी उस समय खदान में और भी मजदूर खुदाई कर रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के दूरस्थ बोन बोलांगो में एक छोटी, पारंपरिक सोने की खदान में करीब 33 मजदूर खुदाई कर रहे थे तभी भूस्खलन हो गया और पहाड़ियों से कई टन मिट्टी गिरी और सभी उसमें दब गए। सूचना मिलते ही बचावकर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरु कर दिया। बचावकर्मियों ने रविवार को दो घायलों को बचाया और सोमवार तक 11 शव बरामद किए हैं। अब भी मलबे में 20 लोगों की तलाश की जा रही है।

इंडोनेशिया में अवैध खनन कार्य बड़े पैमाने पर होता हैं जो हजारों लोगों को आजीविका उपलब्ध कराते हैं। ये लोग गंभीर चोट लगने या मृत्यु के उच्च जोखिम वाली परिस्थितियों में मजदूरी करते हैं।

जयराम रमेश को कोर्ट से नोटिस

प्रयागराज(ईएमएस)। प्रयागराज जिला अदालत में कांग्रेस नेता जयराम रमेश पर फौजदारी का केस दर्ज हुआ है। केस दर्ज कर उन्हें अदालत ने नोटिस जारी किया है। दरअसल, जयराम रमेश ने 1 जून को दावा किया था कि गृह मंत्री अमित शाह जिला कलेक्टर्स को फोन करके डरा-धमका रहे हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार सुबह से अमित शाह 150 अधिकारियों को फोन कर चुके हैं। जयराम ने इसे शर्मनाक बताया था। जयराम रमेश के खिलाफ यह वाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील और उत्तर प्रदेश के सह संयोजक विधि विभाग भाजपा सुशील कुमार मिश्र की ओर से दाखिल किया गया है। वकील सुशील कुमार मिश्र का कहना है कि अदालत ने सुनवाई कर केस दर्ज करने के बाद जयराम रमेश को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई के लिए 23 अगस्त की डेट तय हुई है।

अंतरिक्ष जानकारों ने नासा को दी सलाह कहा- सुनीता विलियम्स की वापसी के लिए चलाएं रेस्क्यू

वाशिंगटन(ईएमएस)। एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर फंस गए हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्री बीते महीने 5 जून को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे। अंतरिक्ष में उनका मिशन केवल एक सप्ताह के लिए ही था, लेकिन एक महीने से भी ज्यादा समय बीत चुका है और अभी तक उनकी वापसी के बारे में कोई अपडेट नहीं है। सुनीता की वापसी को लेकर अंतरिक्ष के जानकारों ने नासा को सुझाव दिया है कि नासा को रेस्क्यू चलाना चाहिए। बता दें कि बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के थ्रस्टर में खराबी के बाद इसका धरती पर वापसी का मिशन रोक दिया गया है।

नासा के इंजीनियर स्टारलाइनर की समस्या को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं, इस दौरान दोनों एस्ट्रोनॉट स्पेस स्टेशन पर दूसरे यात्रियों के साथ रहना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की धरती पर वापसी कब होगी और क्या नासा को इसके लिए रेस्क्यू मिशन शुरू करने की जरूरत है।

इन सवालों का जवाब अंतरिक्ष प्रणालियों और मिशनों के विशेषज्ञ पैट्रिक विनिंग ने दिया है। पैट्रिक जॉन्स हॉपकिंस एप्लाइड फिजिक्स लैब में नेशनल सिक्योरिटी स्पेस के लिए मिशन एरिया एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रेस्क्यू अभियान की बात करना अनावश्यक है। इसकी वजह बताते हुए वे कहते हैं कि पहले तो यह समझना होगा कि स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट में सवार होकर आईएसएस पर पहुंचे अंतरिक्ष यात्री फंसे नहीं है। न ही आईएसएस पर पहले से मौजूद सात दूसरे अंतरिक्ष यात्री ही फंसे हुए हैं।यहां हमें याद रखने की जरूरत है कि अंतरिक्ष में जाना कठिन है। वहीं, मानव अंतरिक्ष उड़ान तो और भी कठिन है।

स्टारलाइनर के डिजाइन में कई बैकअप सिस्टम हैं, जिसने आईएसएस पर इसके पहुंचने को सफल बनाया, लेकिन बैकअप सिस्टम के साथ भी अप्रत्याशित स्थितियों को समझना महत्वपूर्ण है। यही वजह है कि नासा अधिक डेटा एकत्र कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि रेस्क्यू मिशन आम तौर पर सेना चलाती है, जैसे कि अगर कोई स्पेसक्रॉफ्ट लॉन्च के समय समुद्र में गिर जाए।

कांग्रेस ने जीएमईआरएस से संबद्ध मेडिकल कॉलेजों में फीस वृद्धि वापस लेने की मांग की

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस ने जीएमईआरएस से संबद्ध मेडिकल कॉलेजों में फीस वृद्धि वापस लेने की मांग की है। गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि राज्य को 1994-95 के बाद से एक पूर्ण सरकारी मेडिकल कॉलेज नहीं मिला है। साथ ही इस फीस वृद्धि के कारण गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों के सपने टूट सकते हैं और इस मामले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। साथ ही उन्होंने कहा है कि जरूरत पड़ी तो एनएसयूआई जल्द आंदोलन करेगी। वर्ष 2024-25 में सोसायटी मेडिकल ग्रेजुएट कोर्स 14 साल पहले किया गया था और उस समय राज्य सरकार ने लगातार घोषणा की थी कि, कम शुल्क पर डॉक्टर तैयार किए जाएंगे, जिससे गुजरात की स्वास्थ्य सेवाओं को मदद मिलेगी। लेकिन जिस तरह से राज्य सरकार ने रातोंरात जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेजों में भारी शुल्क वृद्धि की, वह उस समय राज्य सरकार की घोषणा के बिल्कुल विपरीत है। वर्तमान में राज्य में 13 जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज हैं। गुजरात में डॉक्टरों, विशेषज्ञ डॉक्टरों, पैरा मेडिकल स्टाफ, नर्सों सहित चिकित्सा क्षेत्र में जनशक्ति की भारी कमी है। ऐसे में गुजरात में मेडिकल की पढ़ाई कर डॉक्टर बनने का सपना देख रहे छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए सरकारी कोटे में 67% और मैनेजमेंट कोटे में 88% तथा एनआरआई कोटे में 3000 डॉलर की असहनीय फीस वृद्धि के कारण डॉक्टर बनना मुश्किल हो जाएगा। मेडिकल फीस में 67 से 88 फीसदी तक बढ़ोतरी से अभिभावक-छात्र बड़ी आर्थिक चिंता में हैं। जिस तरह से राज्य सरकार ने सोसायटी के कॉलेजों में फीस बढ़ाई है, उसने वित्तीय नियोजन को उन सभी छात्र-अभिभावकों के लिए एक गंभीर प्रश्न बना दिया है, जिन्हें ऊँ में उच्च स्कोर के आधार पर जीएमईआरएस कॉलेजों में प्रवेश मिलने की संभावना थी। कांग्रेस पार्टी को गुजरात के उन अभिभावकों से एक प्रस्ताव मिला जो चाहते हैं कि उनके बच्चे गुजरात में मेडिकल की पढ़ाई करें। मेडिकल में भारी फीस वृद्धि को लेकर अभिभावकों की चिंता जायज है। इस बार सरकार ने पिछले साल की तरह एडमिशन से पहले ही भारी फीस बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। ताकि सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस को लेकर अभिभावकों का कोई विरोध न हो। सरकारी कोटे की सीटों पर अब तक 3.30 लाख रुपये सालाना फीस ली जाती थी, जिसमें 66.66 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ फीस 5.50 लाख रुपये कर दी गई है। प्रबंधन कोटा शुल्क रु. 88.88% की बढ़ोतरी के साथ 9 लाख रुपये से बढ़ाकर 17 लाख रुपये कर दिया गया है। खास बात यह है कि पिछले साल 20 जुलाई को मेडिकल कॉलेजों की फीस बढ़ोतरी को लेकर जो सर्कुलर जारी हुआ था, उसमें सिर्फ तारीख में बदलाव किया गया है। कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है। एक ओर जहां मेडिकल शिक्षा दिन-ब-दिन महंगी होती जा रही है। एक गरीब और सामान्य वर्गीय परिवार के बच्चे के लिए डॉक्टर बनना एक सपना ही होता है, लेकिन लगातार बढ़ती फीस के कारण अब आम-मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चों के लिए भी मेडिकल शिक्षा का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है। अगर आने वाले दिनों में फीस बढ़ोतरी वापस नहीं ली गई तो कांग्रेस पार्टी की छात्र इकाई एनएसयूआई आंदोलन करेगी। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने मांग की है कि राज्य के 13 जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेजों में अत्यधिक शुल्क वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए ताकि गुजरात के सामान्य-मध्यम वर्ग के प्रतिभाशाली छात्रों का सपना सच हो सके और राज्य में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

कुंवरजी बावलिया को उप मुख्यमंत्री बनाने की मांग, पीएम मोदी को लिखा पत्र

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य के कृषि मंत्री कुंवरजी बावलिया को उप मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा गया होने की खबर है। इस संदर्भ में कुंवरजी बावलिया की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि निराधार बाते हैं। मेरे किसी हितैषी ने इस प्रकार की बात की होगी। बता दें कि हाल ही में कुंवरजी बावलिया की दिल्ली में पीएम मोदी के साथ मुलाकात हुई थी। पीएम मोदी के साथ बावलिया की मुलाकात के बाद उनके उप मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा ने जोर पकड़ लिया। कुंवरजी बावलिया कोली समाज से आते हैं और गुजरात में कोली समाज की आबादी 23 प्रतिशत जितनी है। राज्य में डेढ करोड़ से अधिक कोली वोटर हैं और इनका 8 जिलों में प्रभुत्व है। राज्य की 182 में से 37 से 40 सीटों पर कोली वोटर निर्णायक होते हैं।

राज्य के भावनगर में 18 प्रतिशत, सुरेन्द्रनगर में 15 प्रतिशत, जूनागढ़ में 11 प्रतिशत, अमरेली में 12 प्रतिशत, पोरबंदर में 11 प्रतिशत, नवसारी में 10 प्रतिशत, वलसाड में 8 प्रतिशत और भरूच में 8 प्रतिशत कोली समाज की आबादी है। कोली समाज के पूर्व अध्यक्ष कुंवरजी बावलिया को उप मुख्यमंत्री बनाने के लिए पीएम मोदी समेत भाजपा हाईकमान को पत्र लिखा गया है। हांलाकि जब कुंवरजी बावलिया से इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मेरे किसी हितैषी ने अपने तरीके से बात की है। ऐसी कोई बात नहीं है और यह पूरी तरह निराधार है। किसे क्या जिम्मेदारी सौंपनी है, यह भाजपा हाईकमान तय करेगा।

सापूतारा बस हादसाः एक पेड़ से बची 55 लोगों की जान

आहवा, 8 जुलाई (हि.स.)। डांग जिले के सापूतारा में रविवार शाम लक्जरी बस पहाड़ से नीचे गहरी खाई में गिरते-गिरते बच गई थी। बस सापूतारा से 2 किलोमीटर की दूरी पर एक मालवाहक वाहन को ओवरटेक करने के दौरान असंतुलित होकर रेलिंग तोड़ती हुई खाई में उतर गई थी। रेलिंग के बाद एक पेड़ ने बस को नीचे गहरी खाई में गिरने से रोक दिया। बस में 57 लोग सवार थे, जिसमें 55 लोगों की जान बच गई। जबकि दो बच्चों की जान चली गई। हादसे में 28 लोग घायल हुए थे, जिसमें 4 की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार रविवार शाम सापूतारा के मालेगाम में यू-टर्न पर ओवरटेक करने जा रही बस असंतुलित होकर सड़क किनारे रेलिंग तोड़ते हुए खाई में उतर गई। यहां बस पूरी तरह से पलट गई। बस की विंडो सीट पर बैठे 3 वर्षीय भाई (उमर अश्फाक शेख, गोपीपुरा, सूरत) और उसकी 7 साल की बहन (अतिफा अश्फाक शेख) उछल कर खिड़की से बाहर चली गई। घटना में दोनों की मौत हो गई। वहीं 28 लोग घायल हो गए। इनमें 4 लोगों की हालत गंभीर है। घायलों को अहवा हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां से 7 घायलों को

सूरत सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया है। घायलों में से एक व्यक्ति ने बताया कि बस पलट कर नीचे जा रही थी, तभी एक पेड़ से अटक कर रुक गई। सूरत से शनिवार रात बापा सीताराम ट्रावैल की बस सूरत के सगरामपुरा से सापूतारा के लिए रवाना हुई थी। सापूतारा में घूमने के बाद सभी रविवार शाम

सूरत की ओर लौट रहे थे। सापूतारा से 2 किलोमीटर दूर यात्रा करने के बाद बस चालक एक मालवाहक वाहन को ओवरटेक करने के दौरान असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

दुर्घटना की जानकारी होने पर सूरत सिविल हॉस्पिटल को अलर्ट कर दिया गया। ट्रोम सेंटर में तत्काल 20 बेड की अलग से व्यवस्था कर दी गई। डॉक्टर को भी रात्रि के दौरान ही स्टैंड बाय कर दिया गया। घायलों में एक व्यक्ति को सिर में गंभीर चोट लगी है, उसे निजी हॉस्पिटल में रेफर किया गया है।

सूरत सिविल हॉस्पिटल में जावेदखान लाकडावाला, जुबेर सलीम शेख, सैयद सुलताना अनवर, सैयद हीना आमिर, सैयद आसीरा आमिर, सैयद हलीना आमिर, शबीर अहमद मियां मोहम्मद मंसूरी को भर्ती किया गया है।

वडोदरा में दो और गेमजोन के प्रशासक-प्रबंधक के खिलाफ शिकायत

वडोदरा, ८ जुलाई। राजकोट गेमज़ोन त्रासदी के बाद, दो और अलग-अलग गेमज़ोन के मालिक-संचालकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। जिसके चलते सरकारी नियमों को ताक पर रखकर ढ्ढद्वद्गंढ्ढद्ग चलाने वालों में भारी हंगामा मच गया है।

राजकोट में टीआरपी गेमज़ोन आपदा के बाद, वडोदरा का सिस्टम सफलतापूर्वक जाग उठा। और विभिन्न खेल क्षेत्रों सहित उच्च यातायात वाले स्थानों पर निरीक्षण किया गया। जिसमें कई जगह खामियां पाई गईं। जिसके बाद कई कॉम्प्लेक्स, अस्पतालों को सील कर दिया गया। इसके बाद, गेमज़ोन ऑपरेटरों के खिलाफ पुलिस शिकायतों की एक श्रृंखला शुरू हुई, जिन्होंने इस तरह से लापरवाही की कि लोगों के जीवन को खतरे में डाल दिया या आवश्यक अनुमति के बिना अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया। जो आज तक जारी है लिटिल राइडर्स के प्रबंधक संगीत विकेंद्रसिंह राजपूत (निवासी अमरदीप कॉम्प्लेक्स, गोत्री), और मालिक रोहिणी जयंतीभाई ब्रह्मभट्ट (निवासी आर्य रेजीडेंसी, समा) और मनन भरतकुमार पारिख (फोरिस एंटरप्राइज प्ले पार्क के मालिक) गोत्री पुलिस स्टेशन में। वडोदरा में विजय नगर सोसायटी, हरणी) और मैनेजर राहुल बिरजू यादव (निवासी कुंभार पालिउ, वासना गांव) के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। शिकायत में कहा गया है कि वे आवश्यक लाइसेंस या आवश्यक अनुमति के बिना गोत्री क्षेत्र में स्थित नीलांबर मॉल में गेम जोन का संचालन कर रहे हैं।

दुपट्टे से पत्नी का गला घोंटा, शव को ड्रम में डालकर कंक्रीट से भरा... गुजरात में बेरहम पति की खौफनाक करतूत

सूरतः गुजरात पुलिस ने ने एक खौफनाक हत्याकांड का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 44 वर्षीय संजय पटेल को अपनी पत्नी धर्मिष्ठा चौहान की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। संजय ने अपनी पत्नी पर बेवफाई का शक होने के कारण उसकी हत्या कर दी थी। धर्मिष्ठा का शव 2 जुलाई को भनोदरा गांव के एक सुनसान इलाके में एक ड्रम में बंद मिला था। ड्रम सीमेंट और कंक्रीट से भरा हुआ था। पुलिस ने ड्रम पर लगे बैच नंबर के आधार पर संजय को पकड़ा।

इंस्पेक्टर वी एल पटेल ने बताया कि महिला का शव एक सुनसान जगह पर ड्रम में बंद मिला था। शव सड़ चुका था जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया था। ड्रम पर ड्रॅण्ठ कंपनी का नाम और बैच नंबर था। हमने कंपनी से संपर्क किया और पता लगाया कि उन्होंने वह ड्रम किसको बेचा था। उस पार्टी ने बताया कि उन्होंने उस ड्रम में रखा केमिकल इस्तेमाल करने के बाद उसे कबाड़ वाले को बेच दिया था। कबाड़ वाले ने हमें संजय पटेल का पता बताया।

सुरक्षा गार्ड संजय पटेल को भेस्तान पुलिस ने अपनी पत्नी धर्मिष्ठा चौहान की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। पटेल ने बेवफाई के शक में पत्नी की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी। उसने शव को दो दिन तक सीमेंट-कंक्रीट से भरे ड्रम में छुपाकर रखा और फिर भनोदरा गांव में फेंक दिया।

सिक्योरिटी गार्ड का काम करने वाले संजय ने कबूल किया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या की है। इंस्पेक्टर ने बताया कि संजय को अपनी पत्नी पर बेवफाई का शक था। पुलिस ने बताया कि संजय की शादी धर्मिष्ठा से दस साल पहले हुई थी। उसने कहा कि उसकी पत्नी के साथ झगड़ा हुआ था। गुस्से में आकर उसने दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। फिर शव को दो दिन तक ड्रम में रखा। उसके बाद ड्रम में सीमेंट और कंक्रीट भर दिया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सूरत पुलिस ने भेसान पुलिस से छह और क्राइम ब्रांच से सात टीमों को लगाया था। पुलिस ने 250 से ज्यादा ण्ण्ऊ कैमरों की फुटेज खंगाली और 50 से ज्यादा सोसाइटी और 20 निर्माण स्थलों की तलाशी ली।

जमीन का बंटवारा करने से इंकार करने पर बेटे ने पिता की हत्या कर दी

देवभूमि द्वारका (ईएमएस) जिले के लाडवा गांव में कलयुगी बेटे ने अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया। बेटा जमीन का बंटवारा करने की मांग कर रहा है, लेकिन पिता इंकार कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक देवभूमि द्वारका जिले की लाडवा गांव की सीमा पर गत 4 जुलाई को मोहनभाई भीमाभाई सोनगरा की लाश मिली थी। मृतक छोटे बेटे सतीश सोनगरा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस जांच में पता चला कि मोहन सोनगरा की हत्या उसके बड़े बेटे राजेश सोनगरा ने की। इस खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपी राजेश सोनगरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में राजेश ने अपने पिता की हत्या की बात कबूल कर ली है। राजेश सोनगरा करीब पांच साल से जीईबी में बतौर असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन सेवारत है और चार साल से पिता से अलग रहता है। मृतक मोहन सोनगरा को परेशान करने के लिए उनके घर के निकट स्ट्रीट लाइट बंद कर देता और घर पर पत्थर फैंकता था। घटना से पहले कुछ दिनों से राजेश मुंह पर मास्क लगाकर अपने पिता की रेकी कर रहा था। गत 4 जुलाई को शाम को मोहन सोनगरा अपने खेत पर गए थे। उस वक्त राजेश भी वहां पहुंच गया और पहले खेत की लाइट काट दी। जिसके बाद अपने पिता के सिर पर हथौड़ी से वार कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। पिता की हत्या के बाद राजेश जामनगर चला गया, ताकि उस पर किसी को शक नहीं हो। किसी से पिता की मौत की खबर मिलने के बाद वह तुरंत अपने गांव लौट आया और इस प्रकार व्यवहार कर रहा था, जैसे उसने कुछ किया ही नहीं हो। पुलिस ने मोहन सोनगरा की हत्या के आरोप में राजेश को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

गुजरात में बारिश की सिस्टम हुई कमजोर, पहले चरण में सौराष्ट्र में सबसे अधिक 30 प्रतिशत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में मॉनसून सीजन शुरू हो चुका है और पहले दौर में ही बारिश ने कई हिस्सों को पानी पानी कर दिया। सौराष्ट्र से लेकर उत्तर और दक्षिण गुजरात तक जबर्दस्त बारिश होने से अधिकांश डेमों में अच्छी खासी नई जलराशि की आय हुई है। लेकिन अब गुजरात में बारिश का सिस्टम कमजोर होने से बारिश की तीव्रता कम हो गई है।

पहले दौर में सौराष्ट्र मंडल और आसपास के इलाकों में भारी बारिश हुई। सौराष्ट्र में बारिश का आंकड़ा 30.23 है। वहीं दक्षिण गुजरात में अब तक सीजन की 26.84 फीसदी, कच्छ में सीजन की 25.63 फीसदी, उत्तरी गुजरात में अब तक सीजन की 15.89 फीसदी और मध्य गुजरात में 15.07 फीसदी बारिश हुई है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, गुजरात में भले ही बारिश का सिस्टम कमजोर हो गया है, लेकिन आज कई इलाकों में बारिश का अनुमान है। आज राज्य में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अरावली में हल्की बारिश का अनुमान है। इसके अलावा आज खेड़ा, अहमदाबाद, आणंद और सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में सामान्य बारिश हो सकती है।

अमित शाह क्यों नहीं करते हैं क्लीन शेव? खुद ही किया खुलासा...अहमदाबाद में सुनाया ये किस्सा

अहमदाबादः मोदी 3.0 में दूसरी बार देश के गृह मंत्री बने बीजेपी लीडर अमित शाह को किसी ने क्लीन शेव में नहीं देखा होगा। शाह की इंटरनेट पर कोई भी ऐसी तस्वीर नहीं है जिसमें वह पूरी तरह क्लीन शेव हों। गुजरात के दौरे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस राज से खुद पर्दा उठाया है। 59 साल अमित शाह क्लीन शेव नहीं करते हैं। वह छात्र जीवन से ही दाढ़ी रखते आ रहे हैं। अहमदाबाद में अमीन पी. जे. के. पी. विधार्थी भवन के शुभारंभ के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कभी दाढ़ी नहीं बनाने के पीछे का किस्सा सुनाया।

अमित शाह ने विद्यार्थी भवन के शुभारंभ के मौके पर यादें ताजा करते हुए कहा कि हॉस्टल में नटुभाई मेरे रेक्टर और एनसीसी में इंस्ट्रक्टर थे। मैं छोटे से ही क्लीन शेव नहीं करता था, मैं ऐसे ही दाढ़ी रखता हूं। शाह ने कहा नटुभाई बहुत ज्यादा अनुशासन वाले व्यक्ति थे। मैंने दाढ़ी नहीं कटवाई तो उन्होंने राइफल को ऊपर हाथों में लेकर गुजरात कॉलेज के चार राउंड लगाने की सजा दी। शाह बोले कुछ दिनों केबाद धीरे-धीरे पता चला कि नटु भाई में कोई दया वगैरह नहीं है। तो मैंने फैसला किया पहले आ जाना है और चार राउंड मार लेने हैं। उसके बाद परेड करनी है, ताकि परेड का समय बर्बाद न हो। शाह ने कहा नटुभाई ने मेरे जीवन में दो काम किए।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अहमदाबाद महानगर को महत्वपूर्ण भेंट

गांधीनगर 08 जुलाई,

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने वर्ल्ड हेरिटेज सिटी अहमदाबाद के हेरिटेज ब्रिज एलिस ब्रिज के सुदृढ़ीकरण एवं पुनर्स्थापन के लिए 32 करोड़ 40 लाख 50 हजार रुपए के आवंटन को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है।

श्री पटेल ने स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के फ्लाईओवर ब्रिज घटक से यह राशि आवंटित कर अहमदाबाद महानगर को महत्वपूर्ण भेंट दी है।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद शहर में साबरमती नदी पर यह सबसे पहला ब्रिज अंग्रेजी शासन काल के दौरान वर्ष 1892 में बनाया गया है। 433.41 मीटर लंबे तथा 6.25 मीटर चौड़े एलिस ब्रिज का 30.96 मीटर के 14 स्पान बो-स्ट्रिंग टाइप के स्टील स्ट्रक्चर में निर्माण हुआ है।

इस ऐतिहासिक ब्रिज का स्टील स्ट्रक्चर वेदरिंग इफेक्ट के कारण जर्जर व भयजनक हो गया है। इस कारण यह ब्रिज पिछले दस वर्ष से आवागामन-यातायात के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

राज्य सरकार ने इस हेरिटेज ब्रिज की विरासत को बनाए रखने तथा उसका समयानुरूप अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से रिपेयरिंग कार्य करने के उद्देश्य से स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत इस एलिस ब्रिज के सुदृढ़ीकरण एवं पुनर्स्थापन का कार्य प्रारंभ करने के लिए यह बड़ी राशि आवंटित की है।

इतना ही नहीं;पुनर्निर्मित होने के बाद इस पुल का उपयोग वाहन चालकों के साथ ही राहगीरों के लिए भी हो सके तथा लोग इस हेरिटेज ब्रिज की विजिट कर ऐतिहासिक संस्मरणों की स्मृतियों का जतन कर सकें, इस प्रकार ब्रिज रिपेयरिंग मेथडोलॉजी का उपयोग कर स्ट्रक्चर डिजाइन आदि कार्य किए जाएंगे।

एलिस ब्रिज के सुदृढ़ीकरण एवं पुनर्स्थापन से साबरमती नदी के तट पर विक्टोरिया गार्डन के पास लगने वाले परंपरागत रविवारीय (गुजरी) बाजार में आने-जाने के लिए राहगीर इस पुल का फिर से पहले की तरह उपयोग कर सकेंगे।

अहमदाबाद महानगर पालिका ने इन समग्र विषयों का समावेश करते हुए एलिसब्रिज के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य शहरी विकास विभाग को प्रस्ताव भेजा था। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शहरी विकास विभाग द्वारा उनके समक्ष यह प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने के बाद 32 करोड़ 40 लाख 50 हजार रुपए के आवंटन को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है।

वड़ोदरा रेल मंडल में स्थित सभी रनिंग रूम में रनिंग स्टाफ को प्रदान की जा रही हैं उन्नत सुविधाएं

फुट मसाज़र पैसे की बर्बादी नहीं है, बल्कि हमारे रनिंग कर्मचारियों के थकने और डयूटी ऑफ होने पर रनिंग रूम में आने के बाद उनके आराम और थकान उतारने के लिए महत्वपूर्ण है।

भारतीय रेल अपने यात्रियों को गंतव्य स्थान तक सुरक्षित पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें हमारे लोको पायलट की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। रेलवे द्वारा ट्रेन चालक दल के सदस्यों जैसे लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर आदि को उन्नत क्रिस्म के रनिंग रूम या रेस्ट रूम की सुविधा प्रदान की जाती है, जहाँ वे अपनी डयूटी के बाद आराम कर सकते हैं। ये सुविधाएँ आमतौर पर प्रमुख रेलवे स्टेशनों और कुछ जंक्शन स्टेशनों या इंटरचेंज पॉइंट्स पर मिलती हैं, जहाँ चालक दल अपने निर्धारित डयूटी घंटों के बाद साइन ऑन / साइन ऑफ करते हैं। इन रनिंग रूमों में कई साधन और सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं, ताकि कर्मचारी समुचित आराम कर सकें। इन स्टेशनों पर एक क्रू लॉबी भी प्रदान की जाती है जहाँ लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर अपनी डयूटी शुरू या समाप्त करते हैं।

डयूटी समाप्त होने के बाद लोको पायलट सहित सभी रनिंग स्टाफ पूरी तरह आराम कर सके, इसके लिए वड़ोदरा मंडल में वड़ोदरा, गोधरा में वातानुकूलित रनिंग रूम की व्यवस्था की गई है। इसमें सभी रनिंग स्टाफ के लिए सब्सीडी के आधार पर शुद्ध और सात्विक भोजन की व्यवस्था होती है। आने वाले क्रू अच्छी तरह से रेस्ट कर सकें इसके लिए हमने सभी रनिंग रूमों में वातानुकूलित रिक्रिएशन रूम बनाये है जिसमे कैरम बोर्ड, चेस बोर्ड, पैर की मालिश करने वाली मशीन एवं शू पॉलिश करने वाली मशीन की व्यवस्था की है। फुट मसाज़र पैसे की बर्बादी नहीं है, बल्कि हमारे रनिंग कर्मचारियों के थकने और डयूटी ऑफ होने पर रनिंग रूम में आने के बाद उनके आराम और थकान उतारने के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा योग और ध्यान के लिए भी योगा रूम की सुविधा है। महिला लोको पायलट के लिए अलग से रूम भी उपलब्ध होती है, जिसमें अटेच टॉयलेट होते है।

गुजरात हाईकोर्ट ने फसल बीमा के मुआवजा संबंधी सरकार की रिपोर्ट ठुकराई

अहमदाबाद (ईएमएस) 2017 और 2018 में गुजरात में भारी बारिश के बाद कृषि क्षेत्र को नुकसान हुआ था। सरकार ने किसानों को फसल बीमा योजना के तहत मुआवजा देने के लिए जरूरी सर्वे कराया था। लेकिन गुजरात उच्च न्यायालय ने पाया कि यह सर्वेक्षण उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पात्र किसानों को मुआवजा देने के लिए सरकार द्वारा कराया गया सर्वे उचित नहीं है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को नई रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि सरकार की समिति ने फसल बीमा योजना के तहत पात्र किसानों की बातें सुने बिना ही एक तरफा रिपोर्ट तैयार कर दी। हाई कोर्ट ने आवेदन करने वाले याचिकाकर्ताओं के दावे पर हाई कोर्ट ने कहा कि समिति ने सुनवाई का मौका नहीं दिए जाने का भी संज्ञान लिया। हाई कोर्ट ने अगले दो सप्ताह में दोबारा हलफनामे पर ब्यौरा देने का आदेश दिया और अगली सुनवाई 26 जुलाई को तय की। गुजरात हाईकोर्ट के फैसले को लेकर किसान कांग्रेस के प्रमुख पाल आंबलिया ने कहा कि हम पिछले 8 साल से जो आवाज उठा रहे थे, उस पर हाईकोर्ट ने मुहर लगा दी है। यह दूसरी बार है जब हाईकोर्ट ने फसल बीमा पर गुजरात सरकार को थप्पड़ मारा है। इसी मामले में पहले हाई कोर्ट ने सरकार की तुलना एलियन से की थी। सरकार स्थायी किसानों की कीमत पर निजी बीमा कंपनियों को बचाने की कोशिश कर रही है। सरकार ने गाइड लाइन से आगे जाकर तकनीकी कमेटी बना दी है। इस तकनीकी समिति ने बीमा कंपनी को बचाने के लिए फसल बीमा में आंकड़े बदल दिए हैं। सरकार ने सौंपे हलफनामे में आंकड़े बदलने की बात स्वीकार की है। सरकार ने शपथ में तकनीकी समिति बनाने की बात भी स्वीकार कर ली है। ऐसे में सवाल यह है कि सरकार किसानों के लिए है या निजी कंपनियों के लिए। क्या सरकार को किसानों द्वारा भुगतान किए गए प्रीमियम पर फसल बीमा प्रदान करना चाहिए या निजी फसल बीमा कंपनियों को बचाना चाहिए?

फिर एक बार कच्छ में भूकंप का झटका, कोई नुकसान नहीं

कच्छ (ईएमएस) कच्छ में एक बार फिर भूकंप का झटका महसूस किया गया है। भारत-पाक सीमा पर 2.6 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। सुबह 4.45 बजे झटका लगने से लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र खावड़ा से 34 किलोमीटर दूर दर्ज किया गया। राहत की बात है कि भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी के हताहत होने या क्षति की कोई खबर नहीं है। आपको बता दें कि इससे पहले कच्छ के भचाऊ के धोलावीरा इलाके में भूकंप आया था। यहां 2.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। उसमें भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। भूकंप का झटका महसूस करने वाले लोगों में डर का माहौल देखा गया। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के पास धोलावीरा से 100 किलोमीटर दूर दर्ज हुआ था।

रेल मंत्रालय की विशेष योजना के तहत आगामी दो वर्षों में बनेंगे 10,000 गैर-वातानुकूलित कोच

रेल मंत्रालय द्वारा की गई घोषणा के अनुसार विशेष योजना के तहत आगामी दो वर्षों में 10,000 गैर-वातानुकूलित कोच बनाये जाएँगे। गैर-वातानुकूलित यात्रियों के लिए सुविधाओं को बढ़ाने के लिए रेलवे के प्रयास किया जा रहा है। भारतीय रेलवे की योजना अगले दो वित्तीय वर्षों (2024-25 और 2025-26) में 10,000 गैर-वातानुकूलित डिब्बों का निर्माण करने की है।

इस पहल का उद्देश्य आम रेल यात्रियों के लिए सुविधाओं को बढ़ाना है। अगले दो वर्षों में गैर-वातानुकूलित डिब्बों की कुल संख्या में 22 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी। वित्त वर्ष 2024-25के लिए विस्तृत प्लान -कुल उत्पादन की योजना बनाई गई:-2,605 सामान्य डिब्बे,1,470 गैर-वातानुकूलित स्लीपर डिब्बे, 323 एस. एल. आर. डिब्बे,32 उच्च क्षमता वाले पार्सल वैन ,और 55 पेंट्री कारें। यात्रियों की सुविधा में सुधार के लिए बनाए गए अमृत भारत जनरल, स्लीपर और एस. एल. आर. कोच शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए विस्तृत प्लान -कुल उत्पादन की योजना बनाई गई:-2,710 सामान्य डिब्बे, 1,910 गैर-वातानुकूलित स्लीपर डिब्बे, 514 एस. एल. आर. डिब्बे,200 उच्च क्षमता वाले पार्सल वैन और 110 पेंट्री कारें। ? सामान्य, स्लीपर और एस. एल. आर. डिब्बों के लिए अमृत भारत श्रृंखला पर जोर देना जारी रखा जाएगा।

रेलवे का विशेष फ़ोकस - गैर-वातानुकूलित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त और बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करना। अलग-अलग यात्रियों की जरूरतों और मौसमी उतार-चढ़ाव के जवाब में आराम और उपलब्धता बढ़ाना। रेलवे की रणनीति निर्दिष्ट वर्षों में गैर-वातानुकूलित डिब्बों का उत्पादन बढ़ाना है, जिसका उद्देश्य आम यात्रियों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करना है। उच्च मांग वाले गलियारों में, अधिक संख्या में गैर-वातानुकूलित डिब्बों वाली विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई गई है।

एसएआर टेलीवेंचर लिमिटेड ने 450 करोड़ रुपये के समग्र इक्विटी इश्यू की घोषणा की

एसएआर टेलीवेंचर लिमिटेड ने रुपये का निवेश किया है। 450 करोड़ के कंपोजिट इक्विटी इश्यू की घोषणा की गई है. कंपोजिट इश्यू में 300 करोड़ रुपये तक का राइट्स इश्यू और 150 करोड़ रुपये तक का एफपीओ शामिल है। 20 जनवरी 2024 को हुई कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में फंड जुटाने का प्रस्ताव रखा गया था। कंपोजिट इश्यू के माध्यम से इक्विटी शेयर जारी करके 450 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। राइट्स इश्यू में 2 रुपये प्रति राइट शेयर के 1,50,00,000 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयर शामिल होंगे। 200 रुपये का निर्गम मूल्य होगा, जिसमें से रु. 198 प्रति राइट शेयर प्रीमियम। राइट्स इश्यू सोमवार, 15 जुलाई, 2024 को खुलेगा और सोमवार, 22 जुलाई, 2024 को बंद होगा। मौजूदा शेयरधारकों को मंगलवार, 09 जुलाई 2024 की रिकॉर्ड तिथि पर रखे गए 1 इक्विटी शेयर के लिए 1 राइट शेयर मिलेगा, जो पात्र इक्विटी शेयरधारकों के लिए उपलब्ध होगा। एफपीओ का मूल्य बैंड 200 से 210 रुपये प्रति इक्विटी शेयर होगा. क्रमशः अधिक सार्वजनिक प्रस्ताव अधिकार निर्गम निर्गम आकार। 150 करोड़ और रु. 300 करोड़ होगा. मूल्य बैंड रु. 200 से रु. 210 प्रति इक्विटी शेयर। 200 प्रति राइट शेयर रु. 198 रुपये प्रीमियम होगा. कंपनी 273 करोड़ रुपये के अनुमानित 3,00,000 होम पास के लिए फाइबर-टू-द-होम नेटवर्क समाधान के लिए एक फंड स्थापित करने के लिए शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव करती है; अतिरिक्त 1000 नंबर 4जी/5जी दूरसंचार टावरों की स्थापना पर 42.50 करोड़ रुपये का अनुमान है; हमारी कंपनी की अतिरिक्त कार्यशील पूंजी की आवश्यकता 30 करोड़ रुपये होने का अनुमान है और शेष राशि का उपयोग वित्त वर्ष 2025 में सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। 03 जुलाई 2024 को कंपनी का शेयर मूल्य और बाजार पूंजीकरण क्रमशः 265.70 करोड़ रुपये और 398.55 करोड़ रुपये था। 07 फरवरी, 2024 को कंपनी का शेयर मूल्य 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 332.05 रुपये पर पहुंच गया। पेंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर है।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल
ग्लो और दिशात्मक साइनेज
निविदा आमंत्रण सूचना : EL/50/1/15/(24-25) दिनक 04/07/2024 भारत के राष्ट्रपति के लिए और की ओर से, मंडल रेल प्रबंधक (विध्युत/पावर) पश्चिम रेलवे वडोदरा मंडल भारतीय रेल की वेब साईट www.ireps.gov.in पर निम्नलिखित कार्य के लिये अनुभवी तथा विश्वसनीय संविदाकारों से ई निविदा आमंत्रित करती है। **निविदा संख्या :** BRC-EL-P-08-2314-24-25-R **कार्य का नाम :** वडोदरा मंडल: रेलवे बोर्ड के नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार विभिन्न स्टेशनों पर ग्लो और दिशात्मक साइनेज का प्रावधान। **अनुमानित लागत (रु.) :** ₹2,22,78,320.00 **ईएमडी (रु.) :** ₹2,61,400.00 **निविदा शुल्क (रु.) :** शून्य ई-टेंडर बंद होने की तिथि : 31/07/2024 **वेबसाइट विवरण :** www.ireps.gov.in 110
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल
इंजीनियर कार्य
ई-निविदा सूचना संख्या-DYCE-BR-BRC-14R-2024 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य इंजीनियर (ब्रिज-लाइन) वडोदरा, पश्चिम रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा संख्या :** DYCE-BR-BRC-14-2024 **कार्य का नाम:-** "रतलाम मंडल-(जोन-2 यूजेएन 2024-25):- वर्ष 2024-25 के लिए रतलाम मंडल के सीनियर सेक्शन इंजीनियर (ब्रिज) उज्जैन के क्षेत्राधिकार में ट्रैक ब्रिजो और रोड ओवर ब्रिजो के दिन-प्रतिदिन के रख-रखाव और मरम्मत हेतु जोन कार्य (12 माह के लिए)।" **कार्य की अनुमानित लागत (रु. में) :** ₹32,43,602.40 **जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रु. में) :** ₹64,900.00 **ई-निविदा जमा करने और ई-निविदा खोलने की तिथि और समय :** ऑनलाइन निविदा 26.07.2024 को 15.00 बजे से पहले जमा की जानी है, और उसी तारीख को 15.30 बजे खोली जानी है। **वेब साइट विवरण और नोटिस का स्थान जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है आदि :** वेब साइट @ www.ireps.gov.in उप मुख्य अभियंता (ब्रिज लाइन) वडोदरा पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4 107
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल
इंजीनियर कार्य
ई-निविदा सूचना संख्या-DYCE-BR-BRC-13R-2024 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य इंजीनियर (ब्रिज-लाइन) वडोदरा, पश्चिम रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा संख्या :** DYCE-BR-BRC-13-2024 **कार्य का नाम:-** "रतलाम मंडल-(जोन-1 रतलाम 2024-25):- वर्ष 2024-25 के लिए सीनियर सेक्शन इंजीनियर (ब्रिज) रतलाम के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ट्रैक ब्रिजो और रोड ओवर ब्रिजो के दिन-प्रतिदिन के रखरखाव और मरम्मत के लिए जोन कार्य (12 माह के लिए)।" **कार्य की अनुमानित लागत (रु. में) :** ₹37,68,499.65 **जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रु. में) :** ₹75,400.00 **ई-निविदा जमा करने और ई-निविदा खोलने की तिथि और समय :** ऑनलाइन निविदा 26.07.2024 को 15.00 बजे से पहले जमा की जानी है, और उसी तारीख को 15.30 बजे खोली जानी है। **वेब साइट विवरण और नोटिस का स्थान जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है आदि :** वेब साइट @ www.ireps.gov.in उप मुख्य अभियंता (ब्रिज लाइन) वडोदरा पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4 106
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96